हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

5 मार्च, 1987

खण्ड 1, अंक 7

अधिकृत विवरण

विशय सूची

वीरवार, 5 मार्च, 1987

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न उत्तर	(7)1
ध्यानाकर्शण प्रस्ताव– गुडगाव भाहर के कुछ क्षेत्रो मे भूमिगत पेयजल मानव उपभोग के लिए उपयुक्त न होने सम्बन्धी	(7)17
गैर सरकारी सकल्प जात पात आदि की भावना फैला कर राज्य के वातावरण को दूशित करने की निन्दा करने सबंधी पुनरारम्भ	(7)18
मुख्य मंत्री द्वारा वक्तव्य राज्य के सरपंचो/पंचो को सरकारी खर्चे पर पजाब क्षेत्र मे एस0वाई0एल0 नहर पर कार्य की प्रगति को दिखाने संबधी	(7)40
राज्य पाल के सदे ा	(7)40
गैर सरकारी सकल्प पुनरारम्भ	(7)40

हरियाणा विधान सभा

वीरवार, 5 मार्च, 1987

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर 1 चण्डीगढ मे 9.30 बजे हुई । अध्यक्ष (सरदार तारा सिंह) ने अध्यक्षता की ।

तारांकित प्र न उत्तर

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान अब सवाल होगे।

Income Accrued from Sales Tax on Trucks

***1236. Seth Ram Dass Dhamija :** Will the Minister for industries be pleased to state the month wise total amount of Sales Tax realised in the State on account of Sales of Truck chassis during the years 1985-86 and 1987-87 to date?

उधोग मंत्री (श्री श्री कि ान दास): सूचना सदन के पटल पर अनुबन्ध 'क' के रूप मे रखी जाती है।

अनुबन्ध ''क''

ट्रक चैसीज की बीक्री से वर्श 1985–86 तथा 1986–87 (31–12–1986तक) के दौरान एकत्र किये गये सेल्ज टैक्स का त्रेमासिक विवरण मासिक आकडे तुरन्त उपलब्ध नही है क्योकि रिटर्न त्रेमासिक भरी जाती है। निम्न प्रकार से है:–

वर्श	त्रेमार्स	बिक्री कर से कुल रा ि ा जो ली गई
1985—86	प्रथम	एच0सी0एस0टी सी0एस0टी0
	द्वितीय	18242.00 .....
	तृतीय	18236.00 .....
	चतुर्थ	....
	योग	36448.00 ..... .

1986—87	प्रथम	2603924 5385. 5
(31—12—1986तक)	द्वितीय	6641467.00 .....
	तृतीय	9386754.00 ..... .

सेठ राम दास धमीजाः स्पीकर सर, मै आपके माध्यम से हाउस को यह बताना चाहता हू कि पहले जनरल सेल्ज टैक्स हमारे ट्रक चैसिज पर 10 परसैन्ट होता था। उस वक्त 6 महीने के

दौरान 36478 रूपये टैक्स आया और उसके बाद जब इन्होने सेल्ज टैक्स का रेट घटा कर 4 परसेन्ट कर दिया तो सेल्ज टैक्स पहले तीन क्वार्टर्ज मे 1 करोड 86 लाख, 32145 रूपये 78 पैसे आया और अभी चौथे क्वार्टर का टैक्स आना बाकी है। मेरा ख्याल है कि वह कम से कम 30 लाख रूपया अव य होगा। इससे पता चलता है कि जितना टैक्स कम होगा उतनी ही टैक्सी की चोरी कम होगी और आमदनी बढेगी और जितना टैक्स ज्यादा होगा, उतनी टैक्स की चौर बढगी और आमदनी घटेगी। स्पीकर साहब, जब हमारे यहा 10 परसेन्ट टैक्स था तो लोग गोआ, दमन और मध्यप्रदे ा तक से ट्रक चैसिज लाते थे क्याकि वहा दो परसेन्ट टैक्स था। जब से इन्होने टैक्स घटाया है तब से लाना कुछ कम हुआ है। क्या मंत्री महोदय हरियाणा मे टैक्स बाकी स्टेटस के एट कर पार लाने पर विचार करेगे ?

श्री श्रीकि ान दासः जिन चीजो पर हमे पहले घाटा था और बिलिंग दूसरी स्टेट्स मे होती थी, हमने उन पर टैक्स घटा दिया है। हम देखते रहते है और जिन चीजो मे हमे नुकासान होता है उन पर हम टैक्स कम कर देते है।

सेठ राम दास धमीजाः स्पीकर साहब, एक ट्रक के जो दो टायर होते है, उनकी कीमत 12000 के करीब होती है। ट्रक वाले हमारे यहा पर टैक्स ज्यादा होने की वजह से सहारनपुर से, राजपुरा, से या चण्डीगढ से ले जाते है क्योकि वहा पर टैक्स कम है। ट्रक की बौडी पर 10 परसैन्ट से 4 परसैन्ट कम करने से

आपने देख ही लिया है कि आमदनी कितनी ज्यादा बढी है अगर इस टैक्स को दूसरी स्टेटस के एट पार कर दिया जाये तो लोगो का इख्लाक भी बढेगा और लोग टैक्स की चोरी भी नही करेगे और आपको आमदनी भी ज्यादा होगी।

श्री अध्यक्षः आप सवाल पूछो। आप चाहते क्या हो ?

सेठ राम दास धमीजाः स्पीकर सर, हम तो टैक्स रेट एट पर चाहते है एट पर करने का जवाब इन्होने नही दिया है।

श्री श्रीकि ान दासः स्पीकर साहब, एट पर की बात भी मैने बता दी है कि जिस चीज मे हम देखते है कि हमे नुकसान होता है उसका हम टैक्स कम कर देते है। जो ऐसी चीज हमे नजर आयी, उसका टैक्स हमने कम भी कर दिया है। (व्यवधान एवम भाोर) हर चीजे को देखते है हमने इस चीज को भी देख लिया है इसके अलावा हमने सभी चीजो को देख लिया है।

Setting up of a Residential Colony at Barwala

***1250 Chaudhri Inder Singh Nain:** Will the Minister for Industries be pleased to state.

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government for the setting up of a residential colony at Barwala Hissar by the Haryana Urban Development Authority and

(b) if so, the time by which the said proposal is likely to materialise ?

उधोग मंत्री (श्री श्रीकि ान दास):

(क) जी हा।

(ख) वर्श 1987–88 मे यहा कालोनी बनाने की आ ा है।

चौधरी इन्द्र सिंहः आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मै आपको माध्यम से मंत्री महोदय से यह पूछना चाहूगा कि टोटल कितने प्लाटस वहा पर होगे उनका साईज क्या होगा और किस किसा कैटगरी के प्लाटस होगे ?

श्री श्रीकि ान दासः कुल प्लाटस 684 होगे। इनमे मे 300 वर्ग मीटर के 283 अढाई सौ वर्ग मीटर के 309,125 वर्ग मीटर के 66 वर्ग मीटर के 26 प्लाटस होगे।

चौधरी धर्मबीर गांवाः क्या मंत्री जी यह बतायेगे कि जब हु डडा किसी गांव की जमीन ऐक्वायर करता है और जिनकी जमीन पर कालोनीज बगैरा बनायी जाती है वहा के लोगो को क्या क्या फैसिलिटी देता है ?

श्री श्रीकि ान दासः किसी गांव की जमीन लेकर अगर वहा पर कालोनी बनती है तो उसमे फैसिलिटीज दी जाती है वहा पर तरक्की होती है। उसके आस पडोस की जमीन की कीमत बढ जाती है और वहा के लोगो को सब तरह से फायदा होता है।

सबसे बडा बैनिफिट तो उन्हे यह होता है कि उनकी जमीन की तरक्की हो जाती है।

श्री मोहन लालः स्पीकर साहब, मै भी गांबा साहब की तरह का ही सवाल पूछना चाहता हू । इन्होने जवाब सही नही दिया है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि जिन गांवो के लोगो की जमीन ऐक्वायर की जाती है उनको क्या फैसिलिटीज देते है ?

श्री श्रीकि ान दासः स्पीकर साहब, जो जमीन हम लेते है उसको आगे हम डिवैल्प करके लोगो को देते है इससे लोगो को अच्छा पैसा मिलता है और सारे गांव को फायदा होता है। अब हर आदमी भाहर के नजदीक जाना चाहता है (विघ्न) स्पीकर साहब, इससे आस पास की जमीन का भाव भी बढ जाता है। यह क्या कम बात है?

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः सर, मेरा सप्लीमैट्री भी उन लोगो के मुताल्लिक ही है जिनकी जमीन के ऊपर सरकार कालोनी बनाती है। (विघ्न) स्पीकर साहब, बडी अहम बात है कि जिनकी जमीन हमे ाा के लिये ले ली जाती है, उनको प्लोट देने की व्यवस्था होनी चाहिए। मंत्री महोदय ने पहले भी जवाब दिया था और आ वासन दिया था कि प्लाट देते है लेकिन मै मंत्री महोदय की जानकारी के लिए यह बताना चाहता हूं कि एक बार थ्री व्हीलर्ज के बारे मे मैने जो सवाल किया था उसके ऊपर एक मंत्री

जी ने पिछले दिनो आ वासन दिया था कि यह मांग जैनुइन है और इसको मान लिया जायेगा लेकिन अब प्रैजेंट मिनिस्टर साहब इसको मान नही रहे। कही यह बात तो उलट न जाये इसलिए मै मंत्री महोदय से यह पक्का आ वासन चाहता हू कि जिन लोगो की गावो मे जमीन ऐक्वायर की जाती है क्या उनको प्लाट देने की व्यवस्था है अगर नही है तो क्या ऐसा करने पर विचार करेगे ?

श्री श्रीकि ान दासः अभी तक ऐसी कोई व्यवस्था नही है लेकिन इस पर विचार किया जायेगा।

श्री भले रामः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि यह जमीन किस भाव पर ऐक्वायर करते है ओर किस रेट पर आगे प्लाट काट कर बेचते है स्पीकर साहब, हुडडा लोगो को बहुत कम जमीन का रेट देता है।

श्री श्रीकि ान दासः स्पीकर साहब, जमीन का भाव तो अगल अलग होता है। किसान को उसका पूरा हक दिया जाता है और उसको हमक यह भी होता है कि वह सुप्रीम कोर्ट तक जाये। वह सुप्रीम कोर्ट तक जाकर अपनी जमीन की कीमत बढवाता है। कई केसिज मे डबल और ट्रिपल तक कीमत दी गयी है। प्लाट काटने से पहले आधी जमीन सडको मे चली जाती है। 150 रू0 फी गज की करीब हमारा सीवर बनाने का पानी देने का, सडके बनाने का, और बिजली खम्भे इत्यादि लगाने का खर्चा आता है। इसलिए जमीन ऐक्वायर करने के रेट का और देने के रेट का

कोई मुकाबला नही हो सकता । हम आदमी यह चाहता है कि अच्छी कालोनी बने, इसलिये यह खर्चा करना पडता है।

श्री भले रामः स्पीकर साहब, मैने तो इनसे जमीन के ऐक्वायर करने का और देने का रेट पूछा था, मेरा यह कहने का मतलब नही था कि उसमे काफी अन्तर है। इन्होने रेट नही बताया है क्या मंत्री महोदय जमीन ऐक्वायर करने और देने का रेट बताने की कृपा करेगे ?

श्री कवल सिंहः अभी मंत्री जी ने यह माना है कि सुप्रीम कोर्ट मे लोगो को कई बार डबल और ट्रिपल तक रेट मिल जाता है। मै इनसे यह प्रार्थना करूगा कि क्या यह ऐसी व्यवस्था करेगे कि लोगो को अपील मे न जाना पडे और उन्हे पहले ही सही कीमत मिल जाये।

श्री श्रीकि ान दासः यह हो सकता है कि किसी का व्यू कम रेट का हो और किसी का रेट ज्यादा देने का व्यू हो इसलिये अलग अलग व्यू हो सकता है।

श्री अध्यक्षः इनका कहना यह है कि अगर आप पहले ही रेट सही लगा ले तो लोगो को कोर्ट मे न जाना पडे।

श्री श्रीकि ान दासः सर, हम तो अपनी तरफ से सही रेट लगाते है लेकिन उनका अपना व्यू है।

चौधरी साहब सैनीः स्पीकर साहब, मै भी कवल सिंह जी के ही सवाल को एक्फेसाईज करना चाहूगा। मै मंत्री जी के नोटिस मे पिछले दिनो एक बात लाया था कि कुरूक्षेत्र मे भी दो तीन गांव ऐसे है जा पर पहले जो आवार्ड अनाउन्स किया गया था उस मे और उसक डेढ दो साल बाद जो रेट दिया गया, उसमे 15—20 हजार रूपये घटा दिये गये। यह अवार्ड कलैक्टर के रेट के मुताबिक अनाउन्स किया जाता है। क्या मंत्री जी यहा पर यह आ वासन देगे कि जमीदारो की जमीन का जो आम तौर पर मार्किट रेट उस समय होगा । उस पर उनको पेमैट की जायेगी ?

श्री श्रीकि ान दासः स्पीकर साहब, हम तो मार्किट रेट के हिसाब से रेट देते है । पटवारी से और एस0डी0एम0 से रिपोर्ट लेकर एल0ए0ओ0 जमीन के रेट मुकरर्र करता है। और उसी के हिसाब से जिनकी जमीन ऐक्वायर की जाती है, पैसा दिया जाता है।

चौधरी साहब सिंह सैनीः स्पीकर साहब, मै स्पेसिफिक्ली एक इस्टाट देना चाहता हू। मेरे यहा रतगल गांव मे पहले तो 46 हजार रूपये पर एक एकड के हिसाब से रेट दिया। उस जमीन को जो कुछ हिस्सा बाकी रह गया, एक साल के बाद उस बाकी जमीन के हिस्से का रेट पच्चीस हजार पर एकड दिया। क्या मंत्री जी के नोटिस मे यह बात है और अगर है तो ऐसा क्यो किया गया ?

श्री श्रीकि ान दासः स्पीकर साहब, पहले जो रेट दिया जाता था वह पांच साल के मार्किट रेट की ऐवरेज निकाल कर दिया जाता था लेकिन अब उसी साल के रेटस के हिसाब से दिया जाता है । पच्चीस तीस रजिस्ट्रया जिस रेट पर होती है उन्ही को देखकर जमीन का रेट दिया जाता है।

श्री अध्यक्षः बात यह है कि 1982 मे एक जमीन का रेट 45 हजार रूपया दिया जाता है और 1984 मे उसी जमीन की कीमत कोई सिर फिरा आधी कर दे तो लोग कोर्ट मे तो जाएगे ही और लोगो को परे ानी होगी। ऐसा नही होना चाहिए।

श्री श्रीकि ान दासः स्पीकर साहब, हर जगह की अलग अलग कीमत होती है। अगर एल0ए0ओ0 की कही गल्ती होगी तो हम चैक कर लेगे।

चौधरी इन्द्र सिंह नैनः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि प्लाटस को अलोट करने का प्रोसीजर क्या है और क्या उन प्लौटस मे ि ाडयूल्ड कास्टस और बैकवर्ड क्लासिज तथा इकोनोमिकली वीकर सैक ान के लिए रिजर्वे ान की कोई योजना विचारधीन है ?

श्री श्रीकि ान दासः स्पीकर साहब, काफी कालोनीज हमने बनाई है और जो सिस्टम पहले चल रहा है वही सिस्टम अब भी है। लौटरी सिस्टम से हम प्लाट करते है। इन कैटेगरीज के

बारे मे जो नियम पहले है उसी नियम के मुताबिक अब काम करेगे।

चौधरी धर्मबीर गांवाः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि सरकार के जेरे गौर कोई ऐसा तजबीज है कि जिन लोगो की जमीन ली जाए उनको प्लाट दिए जाए और हुड्डा के जो डिवैल्पमैंट चार्जिज है वही लेकर जमीन ओनर्ज को प्लाट दे दिए जाए ? दूसरा सवाल यह है कि क्या सरकार के विचारधीन कोई ऐसी तयवीज है कि जिस गांव की जमीन ली जाए उस गांव मे सिवरेज और वाटर सप्लाई का इन्तजाम किया जाए ?

श्री श्रीकि ान दासः स्पीकर साहब, अगर खर्चा लेकर सारे प्लीट जमीन के मालिको को दे दे तो दूसरे लोगो को क्या देगे? फिर भी जैसा मैने पहले कहा है कि जिसकी जमीन लेते है उनको प्लौट देने के बारे मे विचार कर लेगे।

चौधरी नेकी रामः मंत्री महोदय, जी ने बताया कि बरवाला मे कालोनी बना रहे है बडी अच्छी बात है। स्पीकर साहब, चण्डीगढ मे हरियाणा के पौना लाख ऐम्पलाइज रहते है और मकानो वाले उन सब की जेब काट लेते है और वे ऐम्पलाइज अपने बच्चो के लिए कुछ नही कर पाते। क्या मंत्री महोदय इन ऐम्पलाइज के लिए भी कुछ करेगे जिससे कि उनकी जेब काटने से बच सके और चण्डीगढ के आसपास उनको प्लौट देने की कृपा करेगे ?

श्री श्रीकि ान दासः स्पीकर साहब, चण्डीगढ तो हमारा एरिया ही नही है चण्डीगढ के पास पचकूला मे हमने कालोनी बनाई है और अब एक छोटा नया सैक्टर डिवैल्प करने जा रहे है जहा पर सौ रूपये गज के हिसाब से प्लौट देगे। (ोर एवम व्यवधान) स्पीकर साहब, आप हमे चण्डीगढ दिलवा दे हम यहा पर उनको प्लोट दे देगे।

चौधरी नेकी रामः स्पीकर साहब, पचकूला मे कालोनी बनाई है वहा पर तो जो मकान और प्लाट है वे नाकाफी है यहा हरियाणा के पौना लाख ऐम्पलाइज रहते है उनको क्या सरकार प्लौट देने का विचार रखती है?

श्री श्रीकि ान दासः स्पीकर साहब, हम एक नई कालोनी बनाने जा रहे है। उसमे हम उनको प्लौअ दे देगे।

श्री कंवल सिंहः स्पीकर साहब, हिसार मे औफिसर्ज ने एक कोआप्रेटिव सोसायटी बनाई और उस सोसायटी ने जमीन लेकन खुद उसको डिवैल्प किया। मेरी जानकारी के मुताबिक उनका खर्च पचास रूपया गज आया है और मंत्री महोदय जी कर रहे है कि हमारा डिवैल्पमैंट का खर्चा 150 रूपया गज आता है। क्या मंत्री महोदय इस बात की को ी ा करेगे कि उनका डिवैल्पमैंट का खर्चा कुछ कम हो ?

श्री श्रीकि ान दासः स्पीकर साहब, जिस तरीके से हम डिवैल्पमैट करते है उस तरीके से प्राइवेट लोग नही करते है। हम

अलग से वाटर वर्क्स बनाते है और एक वाटर वर्क्स के बनाने पर दो करोड रूपया खर्च आता है। प्राइवेट लोग वाटर सप्लाई और सिवरेज का कोई ख्याल नही रखते। सडके छोटी छोटी बना लेते है। इसलिए उनका खर्च कम आता है। हम सारे काम नियम के अनुसार करते है।

श्री निहाल सिंहः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि किसी जगह रैजीडैि ायल कालोनी बनाने के लिए जो साइट सिलैक्ट करते है उसका क्या आइटेरिया है और हरियाणा के अन्दर कौन से ऐसे डिस्ट्रिक्ट हैहक्वार्टर्ज है जहा पर हुडडा से कोई कालोनी नही बनाई ?

श्री श्रीकि ान दासः स्पीकर साहब, हमने फरीदाबाद, गुडगाव, सोनीपत, रोहतक, रिवाडी, हिसार, भिवानी, जीन्द, सिरसा, नारनौल, अम्बाला, पानीपत, कुरूक्षेत्र पचकूला जगाधरी, कैथल, भााहबाद, बहादुरगढ इन अठारह जगहो पर कालोनीज बनाई है।

श्री निहाल सिंहः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर नारनौल मे आपने कालोनी क्यो नही बनाई है?

श्री श्रीकि ान दासः स्पीकर साहब, हम यह देख रहे है कि वहा कोई खरीददार होगा या नही होगा।

श्री निहाल सिंहः स्पीकर साहब, वहा पर खरीददार तो बहुत है यह सोचते है कि वह बैकवर्ड इलाका है उसे बैकवर्ड ही रखा जाए।

चौधरी कुन्दन लालः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि सब डिविजन सफीदो मे भी हुडडा की कालोनी बनाने का मामला सरकार ने विचारधीन है और अगर है तो वहा कब तक कालोनी बनाने का विचार है और क्या वहा पर बैकवर्ड क्लासिज के लोगो के लिए प्लौटो मे या मकानो मे दस परसैन्ट रिजर्वे ान रखी जाएगी ?

श्री श्रीकि ान दासः स्पीकर साहब, जब ये इस बारे मे रैजोल्यू ान देगे तो उस पर विचार कर लेगे। जहा तक रिजर्वे ान का सम्बन्ध है जैसा अब तक होता रहा है वैसा अब भी कर लेगे। आप रैजोल्यू ाम पास करके भिजवा दे।

श्री लछमन दासः स्पीकर साहब, अभी मिनिस्टर साहब ने अपने विभाग के मुताल्लिक बहुत अच्छे जवाब दिये है मै भी आप की मारफत उनसे कुछ सवाल पूछना चाहता हूं। सरकार रेजीडेनि ायल कालोनीज और गरीब आदमियो के रहने के लिए मकान बनाकर देती है। उसकी ऐप्रीसिऐ ान जो बहुत जरूरी है लेकिन इसके साथ साथ मै यह भी कहना अपना फर्ज समझता हू कि मकान बनाने के बाद उन मकानो को यूही अधूरा उनकी किस्मत पर छोड दिया जाता है और उनकी मेटिनैन्स का कोई

ध्यान नही रखा जाता जिससे लोगो को बाद मे काफी दिक्कत होती है। पानी, सीवरेज बिजली बगैरह का काम पूरा नही होता कालका के अन्दर 6–7 सौ मकान इन्होने बनाकर दिये है। लेकिन सिवाय 100,50 के बाकी के बहुत मकान यू के यू पडे है लोग उनका कब्जा नही ले रहे है क्योकि वहा पर मेटिनैन्स जैसे कि बिजली, पानी, सीवरेज, वगैरहा का कोई अच्छा इन्तजाम नही है। मेरा तात्पर्य यह है कि कम्पीली ान आफ दो हाउस सरकार कोई इस तरह का प्रबन्ध करने का इन्तजाम करे कि लोगो को हर प्रकार की सहूलियते मिले। मेटिनैन्स का अच्छा इन्तजाम हो। लोगो की सब कुछ जरूरीयात पूरी करके ही लोगो को मकानो का कब्जा दिया जाए। क्या मंत्री महोदय मेरी इस सजै ान पर गौर करेगे ?

श्री श्रीकि ान दासः स्पीकर साहब, यह विभाग तो मेरे पास नही है।

श्री भले रामः स्पीकर साहब, जिस प्रकार से हाउसिग बोर्ड कालोनीज बनाते वक्त डिमाड सर्वे करवायी जाती है क्या हुडडा वाले भी इस प्रकार से डिमाड सर्वे करवा करके ही ऐडवरटाइजमैंट करवाते है ?

श्री श्रीकि ान दासः जी हां। हम वाकायदा अखबारो मे ऐडवरटाईजमैंट करवाते है।

Western Jamuna Canal

***1263 Shri Bhalle Ram:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) the percentage of water, if any, being saved as a result of lining of the eastern channels of the Westren Jamuna Canal in the State: and

(b) whether any increase is prposed tobe made in the water allownace as a result of the above said saving of water: if so, details therof ?

Irrigation and power Minister(Chaudhri Shamsher Singh Surjewala)

(a) 8.81% approximately.

(b) Not at this stage.

श्री भले राम: स्पीकर साहब, मिनिस्टर साहब ने मेरे सवाल के जवाब मे बताया है कि चैनल्ज करने के फलस्वरूप 8.81 प्रति त की पानी की बचत हुई है। मै आपको माध्यम से उन से यह जानना चाहता हू कि यह जो पानी बचा था, यह कहा इस्तेमाल किया गया है ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला: अध्यक्ष महादेय, यह वाटर आलउस की इंक्रीज नही हुई है यह परसैन्र्टज आफ सेविग है। सेविग का कारण यह है कि जो कच्ची नहरे थी उनमे जो सीपेज थी वह नहरो को पक्का करने से बन्द हो गयी। जो 8 क्यूसिक पानी वेस्ट जाता था उसमे नहरे पक्की हो जाने के कारण केवल दो परसैन्ट क लौस है और 6 क्यूसिक पर मीटर फीट पानी

की सेविग हुई हैं। इस पानी को फरदर इरीगे ान की ऐक्सटैन ान के लिए कौमन पूल मे ले लेते है। इस तरह से हम इस पानी का यूज करते है। इसी तरह से जो नये रजबाहे आप बनवाने लग रहे हो और पुराने रजबाहो को ऐक्सटेन्ड करवाने लग रहे हो इस पानी को उनमे भी इस्तेमाल किया जा रहा है क्योकि कोई नये सोर्स अभी हमारे पास नही है।

श्री नेकी रामः स्पीकर साहब, हिसार जिला, कुछ भिवानी और सिरसा का इलाका है। यहा की जमीने टिब्बो वाली और रेतीली है और वह जमीन पानी बहुत पीती है। मै मिनिस्टर साहब से आपके द्धारा यह जानना चाहता हू कि यहा की जमीने जो पानी पी जाती है क्या सरकार ने इस कट्रोल करने के लिए खालो का पक्का करने का प्रोग्रोम बनाया है। ताकि जमीन ज्यादा पानी न पी सके और यह पानी कही और इस्तेमाल हो सके ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, खाल तो हरियाणा मे पक्के बनने लग रहे है और मुफत मे बनने लग रहे है। पहले इनके लिए खर्चा देना पडता था। सभी तरफ काम चालू है। लेकिन जब से सरकार ने इन खालों देना पडता था । सभी तरफ काम चालू है। लेकिन जब से सरकार ने इन खालो को पक्का करने का भार अपने ऊपर लिया है। तभी से हर जगह से लोगो की यही मेजर डिमाड आ रही है कि हमारे खालो को पक्का करवाया जाए। बडे पैमाने पर फाइनैि ायल रिर्सोसिज के अनुसार यह काम चल रहा है।

चौधरी अजमत खाः स्पीकर साहब, अभी मंत्री महोदय ने अपने जवाब मे यह बताया है कि 8.81 प्रति ात पानी की बचत, चैनल्ज को पक्का करने के कारण हुई है। जे0एल0एन0 और लोहारू कैनाल्ज के लिए बजट मे भी साढे 9 करोड रूपया इन नहरो की टेल तक पानी पहुचाने के लिए रखा गया है। इस बारे मे अखबारो मे भी आया है क्या मेवात के इलाके मे भी नहरो की टेल तक पानी पहुचाने के लिए सरकार कुछ करने का विचार रखती है। क्यो कि मेवात मे किसी भी कैनाल की टेल तक पानी नही पहुचता है ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः लाइनिंग आफ कैनालज का जो काम है वह प्रोग्रैस मे है। उसका पहला फेज पूरा होग गया है। और दूसरा चालू है मेवात के इलाके मे जमीन खासतौर मे रेतली है और जहां रेतली जमीन होगी वहा पानी टेल तक नही पहुच सकेगा। इसलिये लाइनिंग काम तेजी से पूरा हो रहा है और मेवात के इलाके मे कैनाल सिस्टम मे सुधार लाया जा रहा है ताकि वहा पर भी पानी टेल तक पहुचाया जा सके।

श्री भले रामः स्पीकर साहब, क्या मंत्री महोदय बताएगे कि वैस्टर्न यमुना कैनाल जो कि हरियाणा से गुजरती है उसके कितने हिस्से मे लाईनिग हो चुकी है और कितने मे अभी होनी बाकी है।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, फर्स्ट फेज मे नम्बर आफ चैनलज 230 थी। उनकी लैग्थ 3309 किलोमीटर है। वैस्टर्न यमुना कैनाल का जो काम है उसमे से 159 चैनल्ज पूरी हो गये है जिस कारण से हमे 525 क्यूसिकस पानी की सेविग हुई है और भाखडा मे 533 क्यूसिकस पानी की सेविग हुई है इस तरह से तररबीन 1058 क्यूसिकस पानी की सेविग हुई। यह सब कैनाल सिस्टम को पक्का करने से हुआ है जो ऐडी ानल इरीगे ान इस पानी की वजह से हुई है। वह तकरीबन 23 लाख एकड है जैसा की हमारा अनुमान था दूसरे फेज मे 441 चैनलज की लाईनिग करने का काम चल रहा है जब यह सारा काम हो जाएगा तो वैस्टर्न यमुना कैनाला सिस्टम से 408 क्यूसिकस पानी की ऐडी ानल सेविग और भाखडा से 275 क्यूसिकस पानी की सेविग होगी। फिलहाल यह लाईनिग वगैरहा का काम चालू है।

ठाकुर बहादुर सिहः स्पीकर साहब, सिरसा के इलाके मे जहा पर सैडी एरिया है वहा वाटर कोसिज पक्के किये गये है। कुछ वाटर कोसिंज मे तो पलस्तर किया गया है और कही पर चिनाई की गयी है। जहा पर पलस्तर नही किया गया है वहा पर सीपेज रहती है। क्या ऐसी जगहो पर सरकार पलस्तर करवाने का विचार रखती है ताकि किसी प्रकार की सीपेज न हो और पानी जाया न जाये ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, यह सवाल तो दूसरा है लेकिन मै फिर भी बता देता हू। वाटर कोसिज

को पक्का करवाने का हमार प्रोग्राम नही है और यह हो भी नही सकता क्योकि जब किसान कस्सी बगैरह से सिल्ट वगैरह क्लीयर करता है तो सैडी होने के कारण यह पलस्तर टूट जाता हैै। इसलिए चिनाई सीमेट और मसाले मे करते है। कई जगहो पर पहले सलेट का बैड बनाते थे लेकिन वह सलेट का बैड भी कस्सी लगने से टूट जाता थां और उसकी रिपेयर मे दिक्कत आती थी क्योकि अगर एक सलेट निकल जाए तो उसके साथ कई सलेटे बराबर से निकल जाती थी । उसके बाद जितने भी वाटर कोर्सिज पक्के किये गये है उन मे बैड बनाने मे ब्रिकस का इस्तेमाल किया गया है। अगर एक इेट निकाल भी जाए तो उसकी रिपेयर आसानी से हो भी सकती है सिर्फ ऐसे वाटर कोर्सिज की लाईनिंग मे पलस्तर होता है जो बहुत उचाई मे से गुजरते है। जिन का लैवल ऊंचा होता है उनको पलस्तर करते है क्योकि उसके टूटने का काफी चान्स होता है। सभी जगहां पर पलस्तर की आव कता नही है। इससे खर्च बढेगा। इसलिए अभी ऐसा कोई प्रोग्रोम सरकार का नही है।

10.00 बजे

ठाकुर बहादुर सिंहः स्पीकर साहब, मेरे पूछने का मतलब सिर्फ इनता था कि जाह पले पलस्तर नही किया गया था, वहा क्या अब किया जाएगा ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, पहले क्सट्रक ान और रिपेयर का काम एक डिविजन ही करता था लेकिन अब इन कामो के लिए अलग अलग डिविजन बना दिए है। सर ऐसा है कि जिन अफसरो ने खाल बनवाए है उन खालो के बारे मे जमीदार जब ि ाकायत करता था या सरकार कहती थी कि यह खाल ठीक नही बनाया गया है या इसका लैबल ठीक नही है। तो संबधित अफसर इस बात को बहुत मु ि कल से मानता था। उसका ख्याल यह होता था कि अगर वह इस बात को मान जाएगा तो उसके खिलाफ डिस्पिलनरी ऐक ान हो जाएगा। इसलिये सरकारन ने रिपेयर और कस्ट्रक ान के डिविजन अगल अगल कर दिए है। जैसे जैसे जहा जरूरत होती है उसके मुताबिक रिपेयर का काम चलता रहता है इनके सिरसा जिले मे भी रिपेयर का अलग डिविजन है। मै यह नही कहता कि 100 प्रति ात रिपेयर का काम ठीक हो रहा है। यह नैचुरल बात है कि 10–15 प्रति ात नुक्स जरूर होगा। हम अपनी तरफ से इसमे निरन्तर सुधार करने की कोि ा ा करते हैं अध्यक्ष महोदय, इसमे मु ि कल की बात यह है कि लोग मुफत का माल समझ कर इनका ध्यान नही रखते। इसमे मैबर हमारी बहुत मदद कर सकते है। वे अगर लोगो का समझाए तो बैनिफि ारीज मौके पर मैटरियल चैक कर सकते है लेकिन वे लोग मौके पर यह नही देखते है कि मैटिरीयल ठीक लग रहा है या नही। कई बार तो ऐसा भी होता है कि लोग सीमेट वहीसे मोल ले लेते है यानी लोग खुद अपनी ही चोरी करने लग रहे है मै अपना मकान बनाता हू तो मै मौके

पर खडा रहता है कि कही मेरा मैटिरियल खराब न हो जाए। अगर ये लोग भी ऐसा करेगे तो बात ठीक हो सकती है।

श्री भले रामः स्पीकर साहब, नहरे जो हम पक्की करते है वह इसलिए करते है कि एक तो सीपेज न हो और दूसरे वाटर का पोटैि ायल बढे। क्या मंत्री जी के नाटिस मे ऐसी बात आई है कि नहरे पक्की होने के बावजूद भी सीपेज होती है। दूसरे मै यह जाहता हू कि नहरे पक्की करने से कितने पानी की बढौतरी हुई है ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, नहरे पक्की होने के बाद भी सीपेज हो सकती है। जैसे जे0एल0एन0 नहर रोहतक जिले से गुजरती है उसमे कई जगह सीपेज है। उसके लिए डिपार्टमैंट ने फैसला किया है कि डिच ड्रेन बना कर उसका इन्तजाम किया जाए। वैसे यह एरिया एरिया पर डिपैड करता है। किसी जगह की सायल कडी ान ऐसी हो सकती है जहा पर सीपेज रूक नही सकती। जब कोई नहर हम ऊचाई से निकालगे तो उसमे सीपेज के चांस रूक नही सकती । जब कोई नहर हम ऊचाई से निकालगे तो उसमे सीपेज के चांस ज्यादा है और अगर नीचाई से निकालगे तो सीपेज को चांस कम है जहा तक पानी बढने की बात है इस बारे मे किसी भी मैम्बर्ज ने सीधा सवाल नही पूछा। मै वाटर अलाउस के बारे मे बताना चाहता हू कि हमारे प्रान्त मे कितना वाटर अलाउस है वाटर अलाउस का मतलब यह है अढाई क्यूसिक पानी एक हजार एकड जमीन एक

लिए होगा भाखडा सिस्टम मे 2.5 से 2.75 वाटर अलाउस है। इसमे से पेहवा एरिया मे 2.5 अलाउस है और बाकी के एरिया मे 2.75 है । डब्ल0जे0सी0 का वाटर अलाउस 2.75 क्यूसिक है गुडगाव के एरिया का 2.75 वाटर अलाउंस है। लिफट इरीगे ान स्कीम का 3.4 से 3.5 क्यूसकि तक अलाउस है। चुतंग का जो एरिया है उसमे 5 क्यूसिक वाटर अलाउस है। नोदर्न और ईस्टर्न घग्घर चैनल का 2.75 से 7.05 क्यूसिक तक वाटर अलाउस है। दादुपुर के जो डायरैक्ट आउटलैट है उनमे 10 क्यूसिक तक वाटर अलाउंस है । पजाब के बारे मे कहा जाता है कि वहा पर वाटर अलाउस ज्यादा है। मै हाउस की जानकारी के लिए बताना चाहता हू कि पजांब से भाखडा का वाटर अलाउंस 2.25 से 3.5 क्यूसिक तक है। सरहिंद नहर का 2.25 से 2.75 वाटर अलाउस है यू0डी0 बी0सी0 का 3.93 है । ईस्टर्न कैनाल जोकि हरिके और फिरोजपुर से निकलती है, एक खरीफ कैनाल है और उसका वाटर अलांउंस 6.30 है। एक नहर चक के अन्दर है जिसके अन्दर 22 हजार एकड रकबा आता है उसका वाटर अलांउस 20 क्यूसिक है। यह राइस का एरिया है इसलिए इसका अलांउस ज्यादा है। जब हरियाणा मे एस0वाई0एल0 का पानी आ जाएगा तो कुछ एरियाज मे वाटर अलांउस जरूर बढेगा।

श्री भले रामः स्पीकर साहब, अभी मंत्री जी ने बताया कि डब्लू0जे0सी0 का वाटर अलांउस 2.75 क्यूसिक है। मै जानना

चाहता हू कि क्या यह अलांउस पूरा है क्योकि मेरी जानकारी मे यह अलांउस 2.42 क्यूसिक है।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, जो मैने बताया है वह ठीक है। किसी एक आउट लैट के बारे मे मै नही बता सकता। किसी मे कम या ज्यादा भी हो सकता है लेकिन डब्लू0जे0सी0 का अलांउस 2.75 क्यूसिक ही है।

श्री कंवल सिंह: स्पीकर साहब, मै जानना चाहता हू डब्लू0जे0सी0 सिस्टम की लाईनिंग करने से टोटल कितने क्यूसिक पानी की सेविग हुई है और वह किस एरिया मे दिया गया है ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला: डब्लू0जे0सी0 सिस्टम की लाइनिंग करने से 525 क्यूसिक पानी की सेविग हुई है। यह पहले फेज मे हुई है। दूसरे फेज मे 800 क्यूसिक पानी की सेविग होगी। बचत का पानी उन्ही एरियाज को दिया गया है जहां नई चैनल्ज बन रही है। यह नही हो सकता कि एक एक गांव का पानी यही यूज कर ले।

श्रीमती भाकुन्तला भगवाडिया: क्या मंत्री जो बताएगे कि हरियाणा मे सिचाई का कुल कितना रकबा है और उसके लिए नहरो पानी कितना अवेलेबल है ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, इस वक्त यह फिगर मेरे पास नही है वैसे कल मैने बताया था कि

टोटल एरिया कितना है और कितने एरिया की सिचाई हो चुकी है।

चौधरी नेकी राम: स्पीकर साहब, मै आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहता हू कि हरियाणा मे पानी थोडा है और इसकी मांग ज्यादा है। क्या सरकार का कोई रिसर्च डिजाइन एड स्टैडर्ड बिंग है जो ऐसा काम करे कि खर्च थोडा हो और पानी ज्यादा मिले ? अगर कोई ऐसा बिंग हो तो जो पानी खालो मे जजब होता है उसे बचाया जा सकता है ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, इरीगे ान डिपार्टमैंट मे आर0एड0डी0 भाग है जो निरन्तर इस बात को देखता है कि किस तरह से नहरो मे या दूसरे सिस्टमो मे सुधार किया जाए। जहा तक खालो मे पानी की सेविंग की बात है हम खालो को पक्का इसीलिये कर रहे है ताकि ज्यादा पानी मिल सके।

Concessions granted to Policemen in the State

***1238 Seth Ram Dass Dhamija:** Will the Minister for Home be please to state the category wise number of policemen as are likely to be benefited by the concessions recently granted to them by the Government together with the amount involved ?

Home Minister(Chaudhari Tayyab Hussain) A Statement containing the requisite information is laid on the Table of the House.

STATEMENT

(a) The benefit of City Compensatory Allowance granted by the Govenment will accrue to the Following number of policemen category wise Stationed at Madhuban Karnal:-

Class - I	37
Class-II	38
Class-III	4223
Class-IV	518

This Will invlove an annual expenditure of Rs. 1932000/-

(b) All Non Gazetted Officers and other Ranks of Police Departement numbering 21202 have been benefitted by the decision of sanctioning 2 sets of winter uniforms after 4 years instead of one after 3 years with effect from 1-1-1987. This will ivolve additional expenditure of Rs. 90468934.

(c) Free travel Concession in the Haryana Roadwasys buses exculding AC and Delux Buses w.e.f 1-1-1987 on payment of Rs. 20 p.m per head form the rank of Constable to Inspectore will beneift 21,202 policemen with annual deposit of Rs. 5088480/-

(d) Ration Allownce granted to HAP personnel from Class IV to DSPs at the rate of Rs. 100/- p.m w.e.f 1-1-1987 will benefit the following policemen category wise:-

Class - I & II	19
Class-III	5599
Class-IV	558

This Will invlove an annual expenditure of Rs. 6184230/- per annum.

(e) Government has contributd Rs. 1200000 as Matching Grant towards police welfare fund this year.

(f) P.T.C Allownce has alos been sanctioned by the Government to the staff of the Polcie Training College, Madhuban, at the rate shown against each as under:-

Sr No.	Name of Post	Rate of P.T.C Allowance per month
1.	Deputy Supdt. of Police	Rs. 300/-
2.	District Attorney.	Rs. 300/
3.	Dy. District Attorney	Rs. 300/
4.	Inspector.	Rs. 300/
5.	Sub Inspector	Rs. 250/-

6.	Asstt. Sub in Pector	Rs. 250/
7.	Head Constable	Rs. 225/-
8.	Constable	Rs. 175/-

This Will invlove an annual expenditure of Rs. 758000/- per annum.

सेठ राम दास धमीजाः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने मेरे सवाल को जो जवाब दिया है वह ठीक है। मै इनके जवाब पूरी तरह सतुश्ट हूं।

चौधरी तैयब हुसैनः अध्यक्ष महोदय, मै अपने मुअजिज मैबर का म ाकूर हू कि सरकार ने जो कुछ किया है, उसकी इन्होने तारीफ की है।

श्री निहाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, सरकार ने निर्णय लिया है कि पुलिस के कर्मचारी हरियाणा की बसो मे फ्री ट्रैवल कर सकेगे और इसके लिए उन से साल मे सिर्फ एक बार 20 रूपये लिये जाया करेगे। लेकिन मै यह जानना चाहूगा कि जो कर्मचारी सफर नही करते क्या उनको 20 रूपये छूट दी जायेगी ? अध्यक्ष महोदय, इसके साथ साथ मै यह भी जानना चाहूगा कि सरकार ने जो 20 रूपये की भार्त कम्पनसे ान के रूप मे रखी है क्या इसकी बिल्कुल समाप्त नही किया जा सकता ?

चौधरी तैयब हुसैनः स्पीकर साहब, ऐसी बात नही है सफर तो सबकी करना पढता है। हमने जो फैसला लिया है वह

सब कर्मचारियो की सहमति से लिया है। इस फैसले पर किसी को कोई ऐतराज नही है।

चौधरी कुन्दन लालः अध्यक्ष महोदय, हमारे यहा पर 1968 के अन्दर पुलिस की नफरी कायम हुई थी। उसके बाद से अब तक जनसख्या काफी बढ चुकी है और दूसरी काफी पुलिस कर्मचारियो को आजकल बी0आई0पीज0 के साथ डयूटी भी देनी पड रही है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि हमारे यहा पुलिस की नफरी बढायी जायेगी ?

श्री अध्यक्षः यह सवाल पुलिस की नफरी बढाने का नही है।

चौधरी इन्द्र सिंह नैनः स्पीकर साहब, यह सवाल तो पुलिस के कर्मचारियो/अधिकारियो को कम्पसे ान देने का है। आपकी आज्ञा से मै एक जनरल सवाल पुछ लेता हूं। कई पुलिस स्टे ानो मे व्हीकल्ज नही है। मै मंत्री जी से जानना चाहूगा कि जिन जिन थानो के अन्दर व्हीकल्ज का कोई बन्दोबस्त नही है, वहा पर क्या गाडियो का इतजाम किया जायेगा ?

चौधरी तैयब हुसैनः स्पीकर साहब, मेरे मुअजिज दोस्त जहां पर ये ऐसी सुविधा चाहते हो नोटिस मे ला दे। उस पर गौर करेगे।

श्री भले रामः स्पीकर साहब, यह जो सुविधा दी गई है वह भाहरो मे काम करने वाले पुलिस कर्मचारियो को दी गई हैं।

गावों के अन्दर भी बहुत सी पुलिस चौकिया है क्या वहा पर भी यह सिटी अलाउंस बगैरा दिया जायेगा ?

चौधरी तैयब हुसैनः यह सवाल मधुबन के मुत्ताबिक है। अगर ये कुछ और जानना चाहते है उसके लिए अलग से नोटिस दे दे, इसके बारे मे इन्हे बता दिया जायेगा।

चौधरी अजमत खाः स्पीकर साहब, यहा पर बताया गया है कि पुलिस के सभी अराजपत्रित अधिकारियो/कर्मचारियो को तीन वर्श के बाद एक गर्म वर्दी देने के स्थान पर अब 1.1.1987 से 4 वर्श मे दो गर्म वर्दियां मिला करेगी। मै इन्हे बताना चाहूगा और मेरी जानकारी भी है कि तीन सालो मे जो गर्म वर्दी एक बाद दी जाती है वह भी कई जगहो पर नही दी गई है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि जिन कर्मचारियो को तीन वर्श के अन्दर भी गर्म वर्दी नही मिल पाई है क्या उनको वर्दी दिलवाने का प्रबंध करेगे ?

चौधरी तैयब हुसैनः वर्दी सभी कर्मचारियो को ठीक समय पर दे दी जाती है। यदि इनके नोटिस मे कोई ऐसी बात है तो वे मुझे बता दे, देख लेगे। वैसे हमारे नोटिस मे ऐसी कोई बात नही है।

चौधरी नेकी रामः अध्यक्ष महोदय, मै आपकी मार्फत मंत्री जी ने जानना चाहूगा कि हरियाणा मे कितने पुलिस स्टे ान है ? दूसरा मेरा सवाल यह है कि क्या भाहरो के अन्दर पुलिस

कर्मचारियो के लिए फैमली क्वार्टर्ज आदि की सुविधा उपलब्ध करवाई जायेगी ?

चौधरी तैयब हुसैनः इस के लिए माननीय सदस्य क्वै चन दे दे, पता करके बता दिया जायेगा।

श्री भले रामः स्पीकर साहब, हरियाणा की पुलिस बहुत अच्छा काम करती है हमारे यहा पर पुलिस की 5 बटालियन्ज है। मै मंत्री जी से यह जानना चाहूगा कि क्या पुलिस की संख्या बढाने का सरकार का कोई विचार है ?

Mr. Speaker: This is a separate question, Question are now over.

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव

गुडगाव भाहर के कुछ क्षेत्रो मे भूमिगत पेयजल मानव उपभोग के लिए उपयुक्त न होने सम्बन्धी

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज मुझे चौधरी धर्मबीर गाबा, एम0एल0ए0 की और गुडगाव सिटी के कुछ एरिया मे drinking water being unfit for human consumption के बारे मे काल अटैन ान मो ान का नोटिस मिला है। मै इसे ऐडमिट करता हूं चौधरी धर्मबीर गाबा मो ान पढ दे।

Chaudhri Dharam Bir Gauba: Sir, I want to draw the attention of the Government to wards a matter of great

public importance that the undergound drinking water in Gurgaon City specially In Madan Puri, Shivji Park and Om Nagar is not fit for human consumption as it contains Fouride & Bacteria in a very exvessive degree i.e upto 225900 PPM respectively. The above fact has been proved by the analysists reports beyond and doubt. He has personally brought this fact to the notice of the District authorities' alos. Drinking water is anelixir of life, so being a very important factor, immediate steps should by taken by the concerned department to nip the evil in the bud and pure drinking water should be provided to the people through water supply scheme instead of mere observing the formalities to supply water which may spread diseases.

I request the Government that the department concerned may be directed to make some alternate arangements to supply pure drinking water to Gurgaon City at teh earliest and the concerned Minister should ensure on the floor of this August House that the above problem will be eradicated very soon.

श्री अध्यक्षः क्या मंत्री महोदय इसका जवाब अभी देगे ?

जन स्वास्थय राज्य मंत्री(श्री ए0सी0 चौधरी): सर, मुझे यह नोटिस अभी मिला है। मै इसका जवाब कल दे दूंगा।

श्री अध्यक्षः ठीक है।

गैर सरकारी सकल्प

जात पात आदि की भावना फैला कर राज्य के वातावरण को दूशित करने की निन्दा करने सबंधी पुनरारम्भ

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज अब श्री लछमन सिंह एम0एल0ए0 के रैजोल्यू ान जो उन्होने 27.11.1986 को मूव किया था, पर डिस्क ान रिज्यूम की जायेगी।

प ुपालना राज्य मंत्री (श्री जगदी ा नेहरा): अध्यक्ष महोदय, सरदार लछमन सिंह जी के गैर सरकारी प्रस्ताव पर आज बहस पुन भुरू हो रही है स्पीकर साहब प्रस्ताव यह है कि–

'' यह सदन उन तत्वो की कठोर भाब्दो की निन्दा करता है जो जन साधारण को आपस मे बाट कर, जात पात की भावना फैला कर राज्य के वातावरण को दूशित करते है।

यह आपसी भाईचारे को बनाये रखने तथा समाज के कमजोर वर्गो वि ोशकर राज्य मे अल्पसख्यको के हितो की सुरक्षा के लिए राज्य सरकार द्धारा उठाये गए पगों की प्रबल सराहना तथा समर्थन करता हूं''

स्पीकर साहब, इस प्रस्ताव मे साफ तौर पर दो बाते है एक तो यह है कि जो लोग सूबे मे जन साधारण को आपस मे बाट कर जात पात की भावना फैलाते है उनकी निन्दा की जाये। दूसरी बात यह है कि राज्य मे समाज के कमजोर वर्गो वि ोशकर अल्पसख्यको के हितो की सुरक्षा के लिए राज्य सरकार द्धारा उठाये गए पगो को प्रबल सराहनो तथा समर्थन किया जाये। जहां

तक इस बात का सम्बन्ध है कि ऐसे तत्व जो हरियाणा मे हालात खराब कर रहे है उनके बारे मे चर्चा की जाए तो उनमे तो यहा विरोधी पक्ष के लोग आते है क्यो कि वे यहा के हालात खराब करना चाहते है मै तो खास तोर पर लोक दल को इसके लिए दोशी ठहराता हूं क्योकि वह हरियाणा सूबे मे जातपात का नाम लेकन लोगो को गुमराह करके ऐसे हालात पैदा करना चाहता है जिससे यहाा का वातावरण दूशित हो और आपस मे लोग लडे। अध्यक्ष महोदय वातावरण दूशित हुआ है। लोक दल ने जाति पाति का जो नारा लगाया है, उससे गांव के हालात और वातावरण दूशित हुआ है। इतना ही नही इन्होने तो जाटवाद का नारा लगाया हैं और सारे जाटो को इस बात के लिए उकसाया है कि यहा जाटो का राज हो। जाट यहां करीब 30 परसैंट है। गांव मे इनकी काफी तादाद है और इस भडकी हुई भावना मे गांवमे रहने वाले कमजोर और पिछडे वर्ग के लोगो की हालत काफी खराब हुई है। यह तो इस तरह की पार्टी है जिसका मेन मुद्दा जाति पाती का नारा लगा कर अपना राज स्थापित करना है। इससे कुदरती बात है कि ऐसे हालात पैदा होगे जिनसे एक दूसरे से लोग झगडेगे और कमरोज वर्ग के लोगो को दबा लिया जाएगा। वे चाहते भी यही है कि ऐसी कार्यवाही की जाए जिससे राज्य के हालात बिगडे। पिछले सालो मे जब भी चुनाव हुए तो ऐसी बाते काफी जगहो पर सामने आई कि फलां जगह बूथ कैपचरिंग हो गई, फलां जगह पिछडी जाति और हरिजन लोगो के सारे वोट

एक ही जाति के लोगो ने डाल दिए। परिणामस्वरूप इलैक ान कमी ान को हरिजनो के लिए अलग बूथ बनाने पडे।

इसके अलावा, अध्यक्ष महादेय, मै यह भी अर्ज करना चाहता हू कि लोक दल का प्रजातंत्र मे कोई वि वास नही है। यह बात मे आकडे देकर बताऊगा कि किस तरह से उनका लोक तंत्र मे वि वास नही है। चौधरी देवी लाल जी इस विधान सभा के मैम्बर है, लेकिन आज तक विधान सभा की जितनी सीटिग्ज हुई उनमे वे ना के बराबर आए है। जुलाई 1977 से लेकर आज तक विधान सभा की कुल 188 सीटिग्ज हुई है। लेकिन इनमे से केवल 18 सीटिग्ज मे चौधरी देवी लाल जी हाजिर हुए है। इनमे से भी 12 सेटिग्ज मे वे बाहर बैठे रहे और 6 सीटिग्ज मे सदन मे आए। इस सीटिग्ज मे भी उन्होने कोई ऐसी बात नही की जिससे सदन की कार्यवाही ठीक चले उनकी झगडा करने की ही प्रवृति रही। जो आदमी यहा झगडा कर सकता है। वह गांव मे क्या स्थिति पैदा कर सकता है इसका आप अन्दाज लगा सकते है। तो अध्यक्ष महोदय, 188 सीटिग्ज मे से केवल 18 सीटिग्ज मे आना और उनमे भी 12 सीटिग्ज मे बारह बैठ रहना तथा 6 सीटिग्ज मे अन्दर आकर लडाई झगडा करना इस बात का ज्वलत उदाहरण है कि ऐसे लोग प्रजातंत्र मे वि वास नही करते असैम्बली मे वि वास नही करते, वे तो लोगो को बहकाने गुमराह करने, जाति पाति का नारा लगाकार लोगो से चन्दा इकटठा करने आदि मे वि वास रखते है। चन्दा इकटठा करने का जहा तक सम्बन्ध है,

इसके बारे मे तो आम चर्चा थी कि देवी लाल जी तो यह कहते है कि मै तो कमाऊ पुत हूं क्योकि यदि बाहर रहकर 20 हजार रूपया रोजना मिल जाता हो तो असैम्बली मे जाकर क्या करना है। वह तो आज भी लोगो से मालाए डलवा रहा है, पैसा इकटठा कर रहा है, कभी टिकट के नाम पर, और कभी किसी और नाम पर। फिर अध्यक्ष महोदय, कभी उन्होने रास्ता रोकने की बात की, कभी न्याय युद्ध की बात की और कभी असहयोग आन्दोलन किया। कहने का मतलब यह कि उन्होने प्रदे ा मे ऐसी हालात पैदा की जो प्रजातंत्र के अनुकूल नही है और बुनियादी तौर पर खिलाफ है । उन्होने तो पजांब मे जैसा जैसा अकालियों ने किया उनकी कापी हरियाणा मे की ताकि यहा हालात खराब हो, हरियाणा के लोग आपस मे लडे और आपस का भाईचारा खराब हो। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, चौधरी देवी लाल जी की एक बात ओर देखने योग्य है। वे असैम्बली मे तो आते नही लेकिन चुनाव जरूर लडते है। यह बडी विडम्बना है और अजीबो गरीब स्थिति है। जो आदमी असैम्बली मे न आए, वह भला चुनाव क्यो लडे ? 1982 मे उन्होने असैम्बली का चुनाव लडा। 1983 मे लोकसभा का चुनाव लडा। 1984 मे फिर लोक सभा का चुनाव लडा और 1985 मे दुबारा विधान सभा का मेहम से चुनाव लडा। आज जितने भी विरोधी पक्ष के भाई है उनमे से मै सरदार लछमन सिंह जो को बधाई दे ा हूं क्योकि वे एक ऐसे आदमी है जो प्राजातंत्र मे वि वास रखते है बाकी विरोधी भाई प्रजातंत्र मे वि वास नही करते, उन्होने तो सै ान का बाईकाट कर रखा है और कहते है कि हम हरियाणा

के हितो की रक्षा कर रहे है। ऐसी कोई दिक्कत हरियाणा को नही है जिसके बारे मे वे इतना भाोर मचा रहे है। कभी वे कहते है कि जो फैसला हुआ है वह गलत हुआ है। कभी कडूखेडा बीच मे ले आते है। जब इस तरह की बाते अखबारो मे छपी तो लोगो की भावनाए भडकी और इन्होने इसका फायदा उठाना चाहा। वे भाोर इसलिए नही मचाते कि उनका प्रजातंत्र मे वि वास है या वे लोगो को वि वास मे लेना चाहते है बल्कि लोगो से चन्दा इकटठा करने के लिए जगह जगह मीटिग करते है। रास्ता रोकने के कारण तीन आदमी पुलिस की गोली से मरे। एक आदमी मेरे गांव मे मरा। वह उन्होने जानबूझ कर मरवाया। लोगो को इकटठा किया गया उनको भाराब दिया गया ताकि वे जगदी ा नेहरा को बदनाम कर सके क्योकि उनका लडका मेरे खिलाफ चुनाव लडता है। पिछली बार भी उसने चुनाव लडा था और इस बार भी चुनाव लडना चाहता है। जो लोग मारे गए उनके घर वालो की मदद करने के लिए सिरसा के 323 गाव से, हिसार से और भिवानी से कम से कम 20 लाख रूपया इकटठा किया गया यह बात कर कर कि जो लोग हरियाणा के हितो की रक्षा के लिए मरे है, भाहीद हुए है, उनके परिवारो को देना है लेकिन उनको केवल 40 हजार रूपया दिया गया और बाकी सारा खा गए। इसी तरह से कभी न्याय युद्ध के लिए कभी पैदल चल रहे है। उसके लिए और कभी असहोयग आन्दोलन के लिए चन्दा इकटठा कर रहे है। तो इस तरह के लोग सिर्फ चन्दा इकटठा करके असैम्बली मे आना चाहते है। जैसा मैने पहले कहा चौधरी देवी लाल ने कभी असैम्बली मे

आना गवारा नही समझा, यहा आकर हाउस को प्रोसीडिग्ज मे हिस्सा लेना ठीक नही समझा और मुददो पर ठोस सुझाव देने उपयुक्त नही समझे। आजकल बजट सै ान चर रहा है। अगले साल के बजट पर बहस हो रही है। उसके बारे मे यहां आकर कोई सुझाव देने की बजाए वे केवल चन्दा इकटठा करने की बात करते है। चौधरी बंसी लाल जी ने भी हर जगह अपने भाशणो मे कहा है कि चौधरी देवी लाल तो चन्दा इकटठा कर रहे है। सर चन्दा इकटठा करना किसी पार्टी के लिए गुनाह नही है। कास्टिच्यू ान और पीपल्ज रिप्रेजैन्टे ान ऐक्ट के तहत चन्दा इकटठा कर सकते है लेकिन चंदा जी इक्टठा किया जाए वह पार्टी के फड मे आना चाहिए। हमारे मुख्य मंत्री जा जहा जाते है वहा इन्हे भी मालाएं पहनाई जाता है लेकिन वह सारा पैसा पार्टी फड मे जाता है। 1980 से लेकर 1987 तक चौधरी बसी लाल जा तो कहते है कि चौधरी देवी लाल 2 करोड रूपया इकटठा किया है लेकिन मै कहता हू कि 10 करोड रूपया इकटठा किया है। स्पीकर साहब, हरियाणा मे 6731 गांव हैं कोई भी ऐसा गांव नही है जहा से पांच हजार रूपये से लेकर एक लाख रूपया तक इनके पास न आये हो। मै एक बार फिर कहता हू कि हमारे मुख्यमंत्री जी कहते है कि चौधरी देवी लाल जी ने दो करोड रूपये इकटठे किये है लेकिन मै कहता हू कि इन्होने कम से कम दस करोड रूपये इकटठे किये है। इन द्धारा इकटठा किया गया कोई भी पैसा लोक दल के फन्ड मे नही गयां। यह एक जवलन्त उदाहरण है। उनकी ही पार्टी है 11 एम0एल.एज0 ने हाईकमान्ड को लिख कर दिया है

इन्होने चन्दा इकटठा किया है वह अपने परिवार को भलाई के लिए किया है। यह बात उन्होने लिखित रूप मे दो हैं हमारी काग्रेस प्रदे ा पार्टी ने एक पैम्फलेट निकाल है जिसका नाम है ढोल का पोल। जब ढोल बजता है तो उसकी पोल खुलती है। ढोल दूर से अच्छा लगाता है वह नजदीक से अच्छा नही लगता है। उन्हे दूसरे जिले अच्छे नही लगते है उन्हे सोनीपत और रोहतक ही अच्छे लगते है। काग्रेस प्रदे ा पार्टी ने जो पैम्फलैट छापा है उसमे बहुत बाते कही गई है और खासतौर पर लोक दल के लोगो के बारे मे है कि वे हरियाणा के हितो के लिए क्या कुछ कर रहे है। आज वे एस0वाई0एल0 की बात करते है। अब वे कहते है कि हमे 3.5 मिलियन एकड फुट की बजाए 4.8 मिलियन एकड फुट पानी मिलना चाहिए जब कि चौधरी देवी लाल का पहले ब्यान छपा है कि हमे 3.5 मिलियन एकड फीट पानी मिलना चाहिए। उनका बयान तो खाली बयान ही है। उनके समय मे जब चौधरी वीरेन्द्र सिंह इरीगे ान एन्ड पावर मिनिस्टर होते थे तो उन्होने उस समय पर बयान दिया था कि खालो का खर्चा माफ नही होगा। आज जब काग्रेस सरकार ने माफ कर दिया तो चौधरी देवी लाल जी और उनके दूसरे साथी कहते है कि हमने माफ करवाया है। अपने समय मै तो माफ कर नही सके, जब चौधरी बंसी लाल जी ने माफ कर दिया तो कहते है कि हमने माफ करवाया है। इस तरह के लोगो हरियाणा प्रदे ा के हालात खराब करना चाहते हैं ये चालते है कि यहा पर ऐसे ही हालात पैदा हो जैसे पजांब मे हो रहे है। ये लोग जाटवाद का नारा लगाते है।

इस पार्टी की कोई नीति नही है जिस के द्वारा ये हरियाणा की जनता को अपनी तरफ आकर्शित कर सके। **इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए।** उपाध्यक्ष महोदय, ये तो यही चाहते है कि ऐसा करने से जाट इकटठे हो जायेगे और वोट मिल जायेगे। जो लोग असैम्बली के मैम्बर बनने के बाद भी असैम्बली मे नही आते है। तो यहा पर एक अजीबोगरीब स्थिति पैदा हो जाती है। इस लोगो का असैम्बली का रिकार्ड भी देखा जाना चाहिए। इनका बाहर का रिकार्ड कुछ है और असैम्बली का कुछ है। डिप्टी स्पीकर साहब, आपको पता है कि हरियाणा की असैम्बली के रिकार्ड के मुताबिक लोक दल के ग्यारह मैम्बर्ज है जनता पार्टी के आठ है और भारतीय जनता पार्टी के चार है। दूसरो और काग्रेस पार्टी के 60 मैम्बर्ज है। यहा के मुताबिक वे सब अलग अलग पार्टीयो के है लेकिन ये बाहर सब कहते है कि हम लोकदल के है। सरदार लछमन सिंह जी अकेले है जो विरोधी पार्टी के मैम्बर के रूप मे हाउस मे बैठे है। इस रिकार्ड के अनुसार लोक दल के मैम्बर्ज चौधरी देवी लाल, श्री हीरा नन्द आर्य, डा0 भीम सिंह दहिया, श्रीमती बसन्ती देवी, चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवाल, चौधरी औमप्रका ा, श्री हरि चन्द हुड्डा, श्री मनफूल सिंह, चौधरी खिल्लन सिंह, चौधरी कुलबीर सिंह मलिक और चौधरी किताब सिंह है। अब इस लोक दल मे फूट पड गई है ए ग्रुप अजीत सिंह जो का है और बी ग्रुप बहगुणा जी का है। इसी तरह से हमारे विधानसभा के रिकार्ड के मुताबिक चौधरी वीरेन्द्र सिंह, प्रो0 सम्पत सिंह, श्री नर सिंह ढाडा, चौधरी मांगे राम और श्री लछमन सिंह

कम्बोज जनता पार्टी के मैम्बर्ज है। बाकी चार मैम्बर्ज भारतीय जनता पार्टी के है। लेकिन आज हालात ये है कि ये सभी लोकदल मे है। असैम्बली के हिसाब से लोक दल, जनता पार्टी और भारतीय जनता पार्टी है। इनकी इतनी समझ भी नही है कि पहले वे जनता पार्टी से इस्तीफा दे और फिर लोक दल मे भाामिल हो तभी तो उन्हे लोक दल का मैम्बर माना जायेगा। अब पता नही कि ये किस को राजी करना चाहते है और जनता पार्टी से इस्तीफा क्यो नही देना चाहते। या तो ये लोग अनपढ है या किस बात को समझते नही। इनमे एक दो पढे लिखे थे जैसे डाक्टर भीम सिंह दहिया और दिल्ली यूनिवर्सिटी के रिटायर्ड वाइस चान्सलर प्रो0 स्वरूप सिंह। वे ही पढे लिखे है और तो सभी अनपढ इकटठे हो गये है। वरना ये पहले जनता पार्टी से इस्तीफा देते और फिर लोक दल मे जाते। असैम्बली का रिकार्ड कुछ और कहता है और हरियाणा का रिकार्ड कुछ और कहता है। ये हरियाणा के हालात खराब करना चाहते है, हरियाणा मे प्रजातंत्र को ठीक तरह से चलने देना नही चाहते, भाईचारे को बिगाडना चाहते है। काग्रेस सरकार ने हमे ा अल्पसख्यको की सहायता की है। इस बारे मे सरदार लछमन सिंह ने हरियाणा सरकार की प्र ंसा की है कि सरकार ने भाईचारा को बढावा दिया है। माइन्योरिटी कम्यूनिटी की काग्रेस सरकार ने रक्षा की है। काग्रेस पार्टी की ही एक ऐसी सरकार है जो हर वर्ग को साथ ले कर चलती है चाहे वे हिन्दू है मुसलमान है, सिक्ख है, इसाई है किसान है, हरिजन है, पिछडा वर्ग है या दुकानदार है। हमारी विरोधी दल के भाई लोक दल

वाले जाटवाद का नारा लगाते है और भारतीय जनता पार्टी भाहरो की बात करती है। काग्रेस पार्टी हरेक को साथ ले कर चलने वाली है। काग्रेस पार्टी ने हमे ा कोि ा ा की है। कि पिछडे और गरीब वर्ग के लोगो को साथ ले कर चला जाये। मुख्य मंत्री बनने के बाद चौधरी बसी लाल ने बार बार कहा है कि माइन्योरिटी की रक्षा की जायेगी। उन्होने यह भी कहा कि कोई ऐसी बात नही होगी जिससे जाति वाद को बढावा मिले और खासतौर पर उन्होने सिक्ख भाईयो के लिए कहा है कि उनकी पूरी रक्षा की जायेगी। आजकल पजांब के हालात ठीक नही है। इसलिए बडी हालात हरियाणा मे रिपीट न हो सरकार की यह कोि ा ा है हरियाणा सरकार माइन्योरटिी कम्युनिटी की रक्षा करने मे सक्षम है। हरियाणा मे किसी किस्म की ऐसी बात नही होने दी जायेगी जिससे आपस गडबड हो। काग्रेस पार्टी का यह मुद्दा है कि जितने भाडयूल्ड कास्टस और माइन्योरिटी कम्यूनिटी के लोगे है उनकी रक्षा की जाये।

पिछले दिनों पानीपत मे पिछडे वर्गा की कांफ्रैन्स हुई थी। उस टाईम पर चौधरी बंसी लाल जी ने पिछडे वर्ग के लोगो के लिए कितने की कंसै ान दिये है। पहले विरोधी भाई भी हरियाणा मे राज करते रहे है लेकिन उन्होने उनके हितो के बारे मे कभी नही सोचा। सरकार ने फैसला किया है कि पिछडे वर्ग के लोगो को भामलत भूमि मे दस परसैन्ट जमीन लीज पर दी जायेगी। जिस गांव मे बैकवर्ड क्लासिज की दो परसैन्ट आबादी

होगी वहां पर उनका एक पंच नम्बरदार बनाया जायेगा। उन्होंने जो भी सुविधा मांगी वह काग्रेस पार्टी ने दी। लेकिन हमारे विरोधी पक्ष के लोग जात पात का नारा लगाते है और प्रदे ा के हालात खराब करना चाहते है जंहा पर जाटो का बहुमत है वे वहा पिछडे और हरिजन भाइयो को वोट डालने से भी रोकते है। इसलिए काग्रेस पार्टी चिन्तित है और उसकी कोि ा ा है कि उनकी रक्षा की जाये। मुंख्य मत्री और हरियाणा सरकार कटिबद्ध है कि उन्हे पूरी सहायता मिले। इस रैजोल्यूअ ान की विरोधी पक्ष के वे भाई लाये है जो प्रजातन्त्र मे वि वास करते है। वे चाहते है कि हरियाणा का विकास हो और भाईचारा ठीक रहे।

डिप्टी स्पीकर साहब, लोक दल दो भागो मे बटंने वाला है। अब वह विभानज के कगार पर है। खिचडी बनी हुंई है। अब पता नही यह ए कौन सा बनेगा और बी कौन सा बनेगा। मेरे ख्याल मे चुनाव के समय 'ए' से जैड तक लोक दल हो जायेगा। इसमे 8–10 ग्रुप बनेगे। यह जाटवाद की पार्टी है। इसके न कोई सिद्धात्न है और नह ही इसकी कोई विचारधारा है और न ही गरीबो के लिए कोई प्रोग्रोम है। हरियाणा के लिए भी इस पार्टी का किसी किस्म का प्रोग्रोम नही है। भारतीया जनता पार्टी केवल भाहर तक सीमित है। इसका भी कोई प्रोग्रोम नही है। उसका जोर जैसा मैने पहले कहा भाहरो तक है और वह भी अच्छे भाहरो तक ही सीमित है, छोटे भाहरो तक वे भी नही जाते है। उपाध्यक्ष महोदय, इस तरह की जो ये दो पार्टिया है ये न तो प्रजातन्त्र मे

वि वास करती है और न ही हरियाणा के उत्थान मे वि वास करती है। न हरियाणा मे ये भान्ति रखना चाहती है और इस बात मे वि वास रखती है कि यहा पर हालात ठीक रहे। मैने जैसे पहले कहा कि विरोधी पक्ष मे सिवाय सरदार लछमन सिंह जी के कोई ऐसा नही है जो प्रजातन्त्र मे वि वास करता हो। सारे हालात जो ठीक रखने के लिये ही इन्होने यह रैजोल्यू ान असैम्बली के सामने रखा हुआ है। यह समझ की पुकार के मुताबिक है आज समय की पुकार यह है कि इस तरह के जो लोग है इस तरह की जो पार्टिया है इस तरह की विचारधारा के जो लोग है उनको हरेक आदमी कन्डैम करे ताकि हरियाणा उन्नति कर सके और विकास की तरफ आगे बढे । इसके रैजोल्यू ान की जो दूसरी बात है कि आपसी भाईचार को बनाए रखने तथा समाज के कमजोर वर्गो के लिए हालात ठीक हो और उनके हितो की रक्षा की जाये, इन सारी बातो की ताईद करते हुए मै अपना स्थान लेता हू। जय हिन्द।

चौधरी लीला कृश्ण (फतेहबाद): डिप्टी स्पीकर साहब, यह जो रैजोल्यू ान सरदार लछमन सिंह जी ने हाउस मे रखा है, कि उन तत्वो की घोर भाब्दो मे निन्दा की जाये जो जनसधारण को आपस मे बाट कर, उनकी भावानाओ को जगाकर और क्लासिज मे बाट कर वातावरण को दूशित कर रहे है मै इसकी ताईद करता हू। डिप्टी स्पीकर साहब, जब से मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी आये है तब से उन भाक्तियो ने, उन तत्वो ने एक

स्कीम बनाई कि चौधरी बसी लाल जी को हरियाणा मे कामयाब नही होने देना है। इनका पहला अभियान इसके लिये यह था कि पैरेलल मीटिग्ज करके लोगो को गुमराह करो और लोगो को गलत राह पर डालो। रोहतक मे जो मीटिग हुई, उसमे मै भी भामिल था। वहा पर ऐसी विस्फोटक स्थिति थी कि भायद झगडा न हो जाये। वहा पर जो झगडा हुआ वह उन लोगो ने किया जो बी0जे0पी0 के और लोक दल वाले लोग थे। उन्होने बदअमनी का नंगा नाच किया। दुकाने लूटी। वहां पर एक भाराब की दुकान थी। आधे घटे मे सारी खत्म हो गयी और हरेक के पास एक एक बोतल थी। गरीब लोग उनसे डरते थे। उस मीटिंग मे जो स्त्रिया आ रही थी वह घबराकर वापिस भागी। वहा पर वह नंगा नाच हुआ और मै धन्यवादी हू। मुख्य मंत्री जी का कि इन्होने उनका इलाज ऐसा किया कि उसी दिन कह दिया कि आगे से हम पैरेलल मीटिंग नही करेगे। डिप्टी स्पीकर साहब, आपको पता होगा कि लोक दल वालो ने रास्ता रोको अभियान चलाया था। उन्होने वृक्ष काटे। सारी सडको के ऊपर बहुत सारे वृक्ष काट दिये गये। वहा पर लोगो को कारो मे जाने नही दिया गया। बहिनो, स्त्रियो और बच्चो को परे ान किया गया। उनको पीने का पानी तक नही दिया गया। उन्होने बदअमनी का ऐसा नंगा नाच किया। डिप्टी स्पीकर साहब, जो एक वृक्ष या पौधा है, उसमे भी जीवन मै बौटनी का स्टुडैड रहा हूं । वह खाते है पीते है, सांस लेते है और बढते है । वह भी इन्सान के बराबर है और आप जानते है कि इन्सान के काटने की सजा मौत है । मै अपने मंख्यमत्री जी

को दाद दूंगा क्योकि आज से पहले किसी ने भी इस बारे मे कोई कार्यवाही नही की थी लेकिन चौधरी बंसी लाल जी ने जिन लोगो ने दरख्त काटे थे, उनके खिलाफ केस रजिस्टर किये और उनके खिलाफ कार्यवाही हो रही है। ऐसा लगता है कि इन्होने सोचा कि जिस तरह से पजाब मे अकाली दल बन रहा है हम भी उसी तरह से बने। किस तरह से वह बना, वह बना है उग्रवाद से। वह गुडागर्दी से बना। इन्होने सोचा कि हम भी गुडागर्दी पर आ सकते है स्पीकर साहब, राजीव जी ने लोगोवाल राजीव एक मुआहिदां किया ताकि किसी तहर से उग्रवाद खत्म हो लेकिन वहा पर भान्ति नही आयी। कई ऐसे तत्व हरियाणा मे भी उसी तरह से चल रहे है जिस तरह से पजाब मे चल रहे है और यह मेरी अर्ज है कि जब तक स्ट्रोग रवैया नही अपनाया जायेगा, तब तक वहां पर भान्ति नही आयेगी। मै हरियाणा मे भी यह हालत हो गयी है कि वे लोग यह कर रहे है कि हम उग्रवादी है जब तक हम डंडा हाथ मे नही लेगे तब तक बर्छा हाथ मे नही लेगे, हम आइडैन्टिफाई नही होगे। हमको इस विचारधारा को हर किस्म से निरूत्साहित करना चाहिये। उनकी इस कार्यवाही की भर्त्सना करनी चाहिए तभी हम यह कर सकते है कि यहां पर डैमौक्रसी है। यहा पर कोई डिक्टेटर ीप नही है। एक बात मै और कहूगा । जबसे हमारे मौजूदा मुख्यमंत्री जी यहां पर आये हैं तब से ही लोगो आये है। इन्होने साम्प्रदायिक एकता की बात हमे ा कही है । ऐसी लोगो को चाहे लोक दलिया कहे या उग्रवादी कहे बात एक ही है क्याकि ये लोग दे ा को पीछे ले जाना चाहते है। बसी लाल जी

अपनी पब्लिक मीटिगों मे भी यह बात कहते है और गवर्नर ऐड्रैस मे भी यह बात कही गयी है कि हम, चाहे माइन्योरिटी हो या मैजोरिटी हो, सब को सिक्योरिटी की गारन्टी देते है। उनकी जायदाद और हर तरह से यहां सुरक्षित रहेगा। उन्होने यहा तक कहा है कि अगर कोई माइन्योरिटी कम्यूनिटी की तरफ उंगली उठायेगा तो हम उस उगली को काट देगे। पजांब अब भी जल रहा है। उस आग की चिन्गारी को मै समझता हू कि हरियाणा मे नही आने देना चाहिए और हम इस बारे मे बहस कर बडी सजींदगी से सोचना चाहिये। मै तो इस हद तक भी जाने से गुरेज नही करूगा कि गुडागर्दी का जवाब गुडागर्दी से दिया जाये तो बात ठीक हो सकती है। वे लोग यहा तक लोगो को गुमराह करते है और कहते है कि इलैक ान आने दो, काग्रेसी लोग पोलिंग स्टे ानो मे अपने कैम्प नही लगा सकेगे। इसलिये उनकी तरफ से ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। वे आज लोगो से सवाल पूछते है भाई जाट हो, राजपूत हो, बाहामण हो, या बनिया हो। यह जात पात का जहर इन्होने ही पैदा किया है अगर इनको मजबूत हाथो से नही लिया गया तो ये हरियाणा को पीछे धकेल देगे। यह जो रैजोल्यू ान है कि ऐसे तत्वो की दिल से हमे निन्दा करनी चाहिये मै इसका समर्थन करता हू मै यह प्रार्थना करता हू कि भगवान उनको समबुद्धि दे ताकि वे लोगो को गुमराह न करे । अब इस रोज मे हरेग आदमी की पालिसी जनता के सामने रखने का पूरा हक है। वे भी अपनी पालिसी जनता के सामने रखे। जनता जागरूक है। जनता इटैलीजैन्ट है। अपना भला बुरा समझती है। वे

अपना जलसा करे और अपनी बात वहां पर कहे। यह न करे कि दूसरो के जलसो मे गडबड कराये। जब भी कही पर हमारे चीफ मिनिस्टर साहब का जलसो हुआ तो उन्होने हो हो करने की कोि ा ा की लेकिन हमारे चीफ मिनिस्टर साहब ने उनको ललकारा। उन जलसो मे ऐसे लोगो को बेनकाब किया गया है। मै यह चाहूगा कि प्रोपैगन्डा करके सही बाते लोगो को बतायी जाये। इसके लिये जो काग्रेस पार्टी ने एक पैम्फलेट निकाला है उसके लिये मै काग्रेस पार्टी के इन्चार्ज का बडा ही धन्यवादी हू। इसके अलावा जहा पर भी मीटिगे हमारी हो रही है वहा पर उनके गुडागर्दी के इस विचार को कन्डैम किया जाये और लोगो को यह बताया जाये कि यह सिर्फ गददी के लिये लोगो को गुमराह कर रहे है। जात पात का नारा लगाकर लोगो को गुमराह कर रहे है। इतना ही कहकर मै अपना स्थान लेता हू।

वन एवम वस्तु जन्तु परिरक्षण राज्य मंत्री डाक्टर औम प्रका ा वर्माः डिप्टी स्पीकर साहब, " Resumptiohn of discussion on the following resolution moved by Shri Lachman Singh, MLA on the 12th November 1986 namely:-

This House strongly condemns the elements which vitiate the atmosphere of the State by divding the general public by spreading the feeling of casteism.

It strongly appreciates and supports the steps taken by the State Government for maintaining communal amity brotherhood and safeguarding the interests of the weaker sections of the society, particularly the minorities in the State.

पर बोलने के लिये मे खडा हुआ हूं । डिप्टी स्पीकर साहब, सरदार लछमन सिंह जी का जो वह रैजोल्यू ान है वह आज तक की जरूरत है। आज के हालात का तकाजा है कि इस पर खुलकर बहस हो ताकि हम किसी ऐसे कक्लूजन पर और किसी ऐसे रास्ते को लेकर अपने मुकाम पर पहुचे जांए जिससे दे ा का लाभ हो। हमारे इस प्रान्त मे दे ा मे, जो कि प्रजातन्त्र प्रणाली को अपनाए हुए है, जहा डैमोक्रसी है जम्हूरियत है वे भाक्तिया वे ताकते भी है जिनका यकीन लोकतंत्र मे नही है ज्म्हूरियत नही है बल्कि जिनका यकीन ताकत को, कुर्सी को किसी भी तरीके से जायज या नयाजाज तरीके से, डैमोक्रटिक या अनडैमोक्रेटिक तरीके से हासिल करना है। इस प्रकार के लोग कुछ तो इस दे ा मे बसते है और कुछ इस दे ा से बाहर बसते है। वे यह नही देख सकते कि वह दे ा जिसे वे नगो, भूखो और गरीबो का दे ा कहा करते थे, पिछले पच्चीस वर्शो के दौरान इतनी तरक्की कर जाए कि सारे संसार के लिए एक चैलेन्ज बन जाए और सारे संसार के लिए एक चुनौती बन जाए। वह दे ा जो दाने दाने का मुहताज था और सिके पास पैट भरने के लिए खुराक न हो, जो हर साल झोली फैलाए अमीरका के दरवाजे पर खडा रहता था वह भूखो और नगो के दे ा इतनी तरक्की कर जाए कि अपनी जरूरत को पूरा करके सरप्लस मुल्क बन जाए, वे लोग यह नही देख पाते। डिप्टी स्पीकर साहब, आप भली भान्ती जानते है कि 1966 मे जब हरियाणा बना और 1967 मे पहला इलैक ान हुआ तो हरियाणा के अन्दर अनाज की क्या हालत थी ।

हम अनाज के मामले मे आत्म निर्भर नही थे। अपनी अनाज की जरूरत को पूरा करने के लिए सैन्टर से हर साल एक लाख टन अनाज मंगाते थे। तब जाकर इस छोटे से हरियाणा प्रान्त को पेट भरता था। डिप्टी स्पीकर साहब, आज अनाज के मामले मे हमारी क्या हालत है ? हम केवल अपनी ही जरूरत को पूरा नही करते बल्कि तीस लाख टन अनाज सैन्ट्रल पुल मे देते है। कहा यह हालत थी कि 1966–67 मे एक लाख टन अनाज सैटर के पूल से मांगते थे जबकि उसक वक्त हरियाणा की आबादी 74 लाख थी और आज हरियाणा की आबादी 1 करोड 3 लाख है लगभग आबादी दुगनी होने जा रही है। यह प्रान्त अनाज के मामले मे न केवल अपनी जरूरियात पूरी करता है बल्कि 30 लाख टन अनाज सैन्टर को देता है। डिप्टी स्पीकर साहब, यह कोई छोटी बात नही है और यह कोई कम तरक्की नही है। डिप्टी स्पीकर साहब, यह भारतवर्श वही दे ा है जहा 1947 से पहले सुई नही बनती थी, लालटेन नही बनती थी। साईकिल नही बनती थी और म ीरनी बनने का तो सवाल ही नही था। देहात मे एक लुहार होता था जो कि छोटे मोटी म ीनरी बनाने का काम करता था। उसके पास एक धोकनी होती थी, एक सिडासी होती थी, एक हथोडा होता था और एक आयरन होता था। यह म ीनरी सिर्फ हमारे पास होती थी और आज हालत यह है कि इस दे ा के अन्दर कौन सी ऐसी म ीनरी नही है कौन सी इस प्रकार की टैक्नोलीजी नही है। और कौन सो इस प्रकार की विज्ञान की चीज नही है। जो संसार के अन्दर हो और हमारे पास न हो। कौन सी ऐसी चीज है

जो हमारे मुल्क में नही बनती? डिप्टी स्पीकर साहब, जिस मुल्क में एक सुई नही बनती थी वहां आज एयरकापट बनता है। डिप्टी स्पीकर साहब, 1962 के अन्दर जिस दे ा की फौजी ताकत ऐसी हो कि वह चीन से ि ाकस्त खा जाए और उसे भार्म का मुहं देखना पड़े आज यह डिफैन्स के लिहाज से इतना आये निकल गया है कि उसके पास एटम बम्ब बनाने और हाइड्रोजन बम्ब बनाने की सारी जानकारी है और इसके बनाने में जितनी सामग्री चाहिये वह उनके पास है। अगर वह दे ा जिनको कि बाहर के लोग भूखा और नंगा दे ा कहते है थे पच्चीस साल में इतनी तक्की कर जाए तो बाहर के दे ा कैसे बरद ात कर सकते है। डिप्टी स्पीकर साहब, अगर इस दे ा की मजीद पच्चीस साल औरा मिल जाएं तो वह भूखों और नंगों का दे ा दुनिया में सब से आगे निकल सकता है तक्की आज हमारे दु मनों को अच्छी नही लग रही है। बाहर के मुल्क नही चाहते कि हम इस रफ्तार मे तरक्की करें और तमाम दुनिया से आगे निकल जाएं और उनके लिए हम एक खतरा बन जाएं। वे दे ा हमारी तरक्की को रोकना चाहते है हमारी तरक्की रोकने के लिए उन्होने एक हिकमत अमली बनाई है, एक स्ट्रेटिजी बनाई है। यह स्ट्रेटिजी वही है जिनके सहारे अंग्रज 150 साल हम पर हकूमत कर गए। डिप्टी स्पीकर साहब, यह हिकमत असली डिवाइड एण्ड रूल की है। उनकी पोलीसी है कि इन लोगों का आपस में लड़ाई इसमे फूट डाली। जय ये लोग आपस में लडेंगे तो इनके मन में एक दूसरे के प्रति नफरत होगी और दे ा की तरक्की रूक जाएगी। आपस में फूट से

यह दे ा कमजोर हो जाएगा और यही वे चाहते है। डिप्टी स्पीकर साहब, अगर वे अपनी साजि ा में कामयाब हो जाएंगे तो हमारा दे ा कमजोर हो जाएगा।

चौधरी हुक्म सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, में बड़ै अदव के साथस कहना चाहता हूं कि डा0 साहब ने आपनी स्पीच में जो भूखे–नंगे का भाब्द भाब्द प्रयोग किया है वह कार्यवाही में से निकाल दिया जाएं । मै आपका आभारी हूगा।

श्री उपांध्यक्षः वे अपनी प्वायंट को क्लीयर कर रहे है। वे सारे हालात को कहकर कम्युन हारमनी के प्वायंट की तरफ आ रहे है। सारे हालात को बताने के लिए यह कहना पड़ेगा।

डा0 ओम प्रका ा भार्माः डिप्टी स्पीकर साहब, मैं कह रहा था कि इस स्ट्रैटिजी को अपनाकर वे हम में फूट डालना चाहते है। आज दे ा के अन्दर जातिवाद को लेकर, साम्प्रदायिकता को लेकर, फिरकासपसस्ती को लेकर जो कुछ हो रहा है वह हमारे सामने है। मैं किसी पार्टी का नाम नहीं लूंगा लेकिन फिरकापरस्ती के नाम पर जो कुछ ही रहा है वह इस दे ा के लिए बड़ा घातक है और बहुत खतरनाक है। हमें इस नजरिए का खत्म करना होगा, इस सोच को खत्म करना होगा। डिप्टी स्पीकर साहब, हमारा दे ा एक खानदान को तरह से है। इस खानदान में फूट डालने की कोि ा ा की जा रही है, हममें आपस में भेदभाव पैदा करने का यत्न किया जा रहा है। यही कुछ

हरियाणा में हो रहा है। कभी किसी बिरादरी का नाम लिया जाता है और बिरादरी का नाम लेकर हमारे में फूट डालने की कोि ा ा की जा रही। डिप्टी स्पीकर साहब, हम सब हरियाणवी है। न कोई यहां पर जाट है, न ब्राह्मण है और न अहीर है। अगर कोई अपने आपको किसी और पार्टी का समझता है, तो समझे लेकिन हम सब हरियाणवी है। हम सब यहां पर हरियाणा की तरक्की के लिए, हरियाणा के विकास के लिए बैठे है। अगर हमारे में फूट पड़ती है, अगर हम आपस में लड़ते है या अगर कोई बाहर की भाक्तियां हमें आपस में लड़ाती है तो यह हमारा हरियाणा, जिसको हम आगे तरक्की के रास्ते पर ले जाना चाहते है वह पीछे चला जाएगा। इस गल्त प्रचार को, चाहे वह किसी बिरादरी की तरफ से हो, चाहे किसी पार्टी की तरफ से हो, किसी जाति की तरफ से हो, इस नजरिये को हमें कन्डैम करना है और आपसी भाई चारे को कायम करना है जिससे हमारा हरियाणा प्रदे ा ओर हमारा भाई चारे को कायम करना है जिससे हमारा हरियाणा प्रदे ा और हमारा भारत दे ा आगें उन्नति के ि ाखर पर पहुंचे। डिप्टी स्पीकर साहब, मैं बोलना तो और भी चाहता था लेकिन आपका आदे ा है कि और मैम्बर साहेवान ने भी इस परह बोलना है। इस लिये मैं ज्यादा न बोलता हुआ सरदार लछमन सिंह जी ने जो यह रैजोल्यू ान यहां हाउस में रखा है, वक्त की जरूरत को देखते हुए, अपना नजरिया उसके हक में पे ा करता हूं और उनका सर्मथन करता हूं। अन्त में मैं आपका धन्यवाद करता हुआ अपना स्थान लेता हूं क्योंकि आपने मुझे बोलने का समय दिया। जय हिन्द।

11.00 बजे

चौधरी इन्द्र सिंह नैन (वरबाला): डिप्टी स्पीकर सर, जी रैजोल्यू ान आज हाउस में चर्चा का विशय बना हुआ है, इसके दो भाग है। पहले भाग में सरदार लछमन सिह जी ने कहा है कि जो तत्व जातपात के आधार पर दूशित वातावरण पैदा करना चाहते है और कर भी रहे है, उनको कंडैम किया जाए और दूसरे भाग में हरियाणा सरकार ने जो कदम उठाये है, जो अच्छे बातें की है माइन्योरिटी की प्रोटैक ान के वास्ते और दूसरे लोगों की रक्षा के लिए, उनकी सरदार लछमसिंह ने सराहना की है। डिप्टी स्पीकर सर, डाक्टर ओम प्रका ा जी ने भी इस पर अपने विचार रखें है और आपने मुझे भी इस पर बोलने के लिए समय दिया जिसके लिए मैं आप का धन्यवादी हूं। डिप्टी स्पीकर साहब, कुछ पार्टीज कुछ तत्व ऐसे है जो यह नहीं चाहते कि हरियाणा तरक्की करें, उन्नति करे बल्कि वे तो यह भी नहीं चाहते कि सारा भारत ही तरक्की करें। वे लोग इसी लिये हरियाणा के अन्दर, भारत के अन्दर दूशित वातावरण पैदा कर रहे है ताकि न ही भारत और न ही हरियाणा कभी तरक्की के पग पर अग्रसर हो लेकिन उनकी यह मन ा पूरी नही हो सकेगी।

डिप्टी स्पीकर सर, हमारे पड़ोस में पंजाब प्रान्त है। आप देख ही रहे है कि कितने दिनों से वहां का वातावरण खराब चला आ रहा है। अगर उस पर डिटेल में चर्चा की जाए तो कई दिन लग सकते है। लेकिन मै ऐसा नही चाहूंगा। मैं तो इतनी बात

कहता हूं कि जब पड़ोस में ऐसा वातावरण हो, आग लगी हुई हो तो उसका असर पड़ोसी पर पड़ने की पूरी सम्भावना है। लेकिन यह बड़ी खु ार्किस्मती की बात है कि हम पड़ोसी होते हुए भी इस आग से बचे हुए है, हमारे ऊपर इसका कोई असर नही हो पाया है और न ही होगा क्योंकि यहां पर वातावरण बड़ा अच्छा है और कानून–व्यवस्था पूरी तरह से कन्ट्रोल में है। इसके लिये हमारे मुख्यमंत्री महोदय के पात्र है।

डिप्टी स्पीकर सर, नेहरा साहब ने भी पार्टीज का जिक्र किया और मैं भी करना चाहूंगा। वे तत्व जातपात के आधार पर यहां हरियाणा में राज करनाा चाहते है, जोकि प्रजातन्त्र के खिलाफ है। डिप्टी स्पीकर सर, आपको याद होगा कि उन दो बड़ी विरोधी पार्टीयों ने, खासकर लोकदल और भारतीय जनता पार्टी ने जातपात को ही अपना आधार बना रखा है। न तो उनकी कोई नीति है, न ही कोई प्रोग्राम है और न ही उनके पास कोई वि ोश लीडर्ज है। सर, पिछले दिनों उन्होने रास्ता रोको प्रग्राम बनाया। हमारी पार्टी की जो मीटिंगें दिनों उन्होने रास्ता रोको प्रोग्राम बनाया। हमारी पार्टी की जो मीटिगें हो रही थी, उनको डिस्टर्ब करने का प्रोग्राम बनाया लेकिन वे डिस्टर्व करने में नाकामयाब रहे। उनमे इतनी हिम्मत नही रही कि वे ऐसा कर सकें। प्रजातंत्र का एक ही आधार है कि हर पार्टी, हर लीडर को पब्लिक में अपनी बात सकते है पूरा अधिकार होता है। वे अपने विचार रख सकते है, अपनी बात कह सकते है अपनी नीति बना

सकते है लेकिन वे ऐसा पब्लिक नही कर सके। वे कहते रहे कि हम कांग्रेस पार्टी की मीटिंग हुई। लोकदल के भाईयों रोकेंगे और आपने जगह–जगह देखाा होगा जब से श्री बन्सीलाल जी मुख्य मंत्री बने, भिवानी और दूसरी जगहों जीन्द वगैरह में मीटिंगें हुई। लोकदल के भाईयों न उन्हें डिस्टर्ब करने की कोि ा ा की लेकिन नाकाम रहे। केवल रोहतक में पैरेलल गड़बड़ करने दुकानें लूटी भी गयी। अब वहां के लोग इसके खिलाफ हुए पड़े है और वे इन की बात तक नही सुनना चाहते।

डिप्टी स्पीकर सर, डाक्टर मंगल सैन जी को अब इस बात का पता ही है कि इस वक्त रोहतक के अन्दर उनकी क्या स्थिति है और वे जिन लोगों के पीछे लगे हुए है वे उन की खाट खड़ी करने में लगे हुए है। अब डाक्टर साहब रोहतक को छोड़कर पानीपत में जाने लग रहे है। लोगों का यह कहना है कि जहां भाान्ति में मीटिंग हों, वहां लाठी का क्या काम जैसा कि इन भाइेयों न रोहतक में किया।

डिप्टी स्पीकर सर, इन विरोधी दल के भाइयों का क्या इरादा है, इनका क्या नि ाना है, इनकी क्या नीति है जोकि गड़बड़ कर रहे है? ये चाहते है कि गड़बड़ करके गुण्डागर्दी करके किसी न किसी तरीके से ताकत को हथियाया जाए लेकिन ताकत ऐसे नही मिल करती। इसके लिये लोगों का वि वास लेना जरूरी है जोकि इनको मिल नही सकता। एक समय आया था, इनको मौका भी मिला था लेकिन ये लोग मिलकर सरकार को चला नही

सके। इन्दिरा जी ने कह दिया था कि ये खिचड़ी पार्टी चलेगी नहीं। हुआ भी वही, दो अढ़ाई सालों में ही छोड़ कर भाग गये। डिप्टी स्पीकर सर, मै रास्ता रोको की बात कह रहा था। इन लोगों की नीति है कि अ ान्ति राज्य में फैलाओ, दरख्त काटो। हमारी पार्टी की नीति है कि दरख्त लगाओं और राज्य में भान्ति का वातावरण कायम करों। हमारी पार्टी प्रजातंत्र को मानती है। मै इनकी तुलना करके आपको बतलाता हूं कि हम क्या चाहते है और ये क्या चाहते है।

डिप्टी स्पीकर सर, हमारी कांग्रेस पार्टी का यह नि ाना है कि वृक्ष लगाओं और लोकदल व दूसरी विरोधी पार्टीयों का नि ाना है कि वृक्ष काटो। कांग्रेस पार्टी का यह नि ाना है कि सड़कें बनाकर रास्ता बनाया जाए इसका यह नि ाना है कि रास्ता रोक जाए। काग्रेस पार्टी का भान्ति का नजरिरया है, इनका अ ान्ति फैलाने का इरादा होता है। कांग्रेस सरकार तो हर आदमी के चेहरे पर लाली, हर घर में खु ाहाली और हर खेत में हरियाली चाहती है लेकिन इन भाइयों का इसके उलझ इरादा लाठी का है। यह क्या करते रहे मै बताता हूं। कैथल के कस्बे के अन्दर खोखों को लूटा गया। 21 जनवरी को लोकदर संघर्श समिति की हिसार रैली थी जब वे वरवाला से गुररे तो उन्होने रोहड़ी वालो का गरीब दुकानदारों का लूटा और समोसे वालो को लूटा। जब कभी रोहतक वगैरह दुकानदारों का लूटा और समोसे वालों का लूटा। जब रोहतक वगैरह में मीटिग होती

है तो लोगा बाजार बन्द कर देते है। ऐसा क्यों होता है? लोगा इनसे डरते है। लोगों के दिलों में इनके लिए कोई जगह नही रही है मै आपको इनसे डरते है। लोगों के दिलों मं इनके लिये कोई जगह नही रही है। मै आपको इस हाउस के जरिए बताना चाहता हूं कि लाठी की ताकत से वोट नहीं मिलते। प्रजातंत्र के अन्दर वोट मन से दिये जाते है, मन से पड़ते हैं। प्यार से ही प्रजा के मन को जीता जा सकता है न कि लाठी के सहारे। इन विरोधी दल के भाइयों के मन को जीत जा सकता है न कि लाठी के साहरे। इन विरोधी दल के भाइयों के कोई भी इरादे कामयाब नहीं हो सकता है, और न ही होंगे क्योकि यहां हरियाणा के अन्दर चौधरी बंसी लाल जी का राज है और इस कांग्रेस पार्टी के राज में, प्रजातंत्र के अन्दर ऐसी कोई गड़बड़ वाली बात नहीं हो सकती। चौधरी बंसी लाल जी एक मजबूत प्र ासक है। उन्होंने बड़ी सूझ बूझ के साथ यह माइन्योरिटीज के लोगों की रक्षा का है और अपने उदे य में पूरी तरहक से सफल रहे है। यहां पर किसी भी गरीब तबके या माइम्योरिटी गुप को किसी भी प्रकार का खतरा नहीं है। इस के लिये अपनी स्पीच मे, चौधरी बंसी लाल जी ने जगह जगह कहा है कि यहां पर किसी भी अल्प संख्यक, किसी भी गरीब आदमी और माइन्योरिटी ग्रुप को किसी बात का खतरा नही होने देंगे।

सरदार लछमन सिंह जी बैठे हुए है, ये बार बार इस बात की ताइद करते है कि माइन्योरिटी कम्युनिटी को हरियाणा में

कोई खतरा नही है। उनको न जान का खतरा है और न माल का खतरा है। लेकिन लोकदल के भाई गड़बड़ करना चाहते है। ताउडू का बाई इलैक ान हुआ और हम वहां पर कांग्रेस की मदद करना के लिए गए। चौधरी वीरेन्द्र सिंह जो मैम्बर पार्लियामैंट है और पहले यहां पर मंत्री होते थे वे भी कई गांवों में हमारे साथ थे। वहां पर अपोजी ान वालों की नीति और प्रोग्राम बताया लोकदल वाले लोगों को कहते थे कि सिर के बीच में लाठी मारना। ऐसी बातें सुन कर लोग उनसे पीछे हटते जा रहे है। इसका कारण यही है कि जब उनको राज करने का समय मिला था तो वे कुछ नही कर सके थे और आज गड़बड़ करने की कोि ा ा कर रहे है। पिछले महीने की 14 तारीख को मेरे बरवाला हल्के में बैकवर्ड क्लासिज की तरफ से एक प्रोग्राम लोकदल वालों ने करने का प्रयत्न किया। उसमें चौधरी देवी लाल, अजीत सिंह और कर्पूरी ठाकुर का नाम था लेकिन वहां पर 400 आदमी भी इकट्ठे नही हुए। ऐसा इसलिये हो रहा है कि यह पार्टी कोई नीति नहीं रखती और लोगों का भला नहीं कर सकती। उनको जो अढ़ाई साल का समय मिला था उस दौरान उन्होने अपने बजट पे ा किए। हमारे भी आदरणीय वित्त मंत्री ने बजट पे ा किए है। दोनों का अगर मुकाबला किया जाए तो हमारा बजट तो प्रो–फार्मर है और प्रोग्रैसिव है लेकिन उसका पहला बजट जनता विरोध पे ा हुआ और दूसरा बजट किसान विरोधी पे ा हुआ। आज ये लोगों को जाकर गुमरह करते है और गल्त बातें कहते है। इनको जब मौका मिला था तो कुछ भी नहीं

कर पाए थे। अब कहते है कि हमें दोबारा राज दी। भावी मुख्यमंत्री की भी बातें कहते है। जहां बैठते है वही धमकी देते हैं। जीन्द के अन्दर प्रधानमंत्री जी आए थे आए थे और मै समझता हूं कि उतनी बड़ी रैली आज तक कहीं भी हिन्दुस्तान में नही हुई। उस दिन सभी जगहों से लोग वहां पर आए। डिप्टी स्पीकर साहब, उस दिन लोगों ने अपनी दुकानें खुली रखीं और कमाई की। उस दिन एक भी दुकान बन्द नही हुई। उसके दो दिन के बाद 23 तारीख को रोहतक में इनकी रैली थी। उस दिन सारी दुकानें बन्द रही। उस दिन 23 दुकानें लूट लभ गई। आप अन्दाजा लगाएं कि जब हमारी पार्टी का फंक ान होता है तो लोग दुकानें खुली रखते हैं और कमाई करते हैं लेकिन जब इनका जलसा होता है तो लोग डर के मारे दुकानें बन्द कर लेते है। जब लोगों को प्रजातंत्र में इतना भय हो ही, वे प्रजातंत्र में वि वास न रखे तो इसका कारण यही लोग है। जब हरियाणा की तरक्की की बात आती है ये कहते है कि पैसा क्यों दे दिया? इलैक ान कमि ान को कहते है कि हरियाणा में इलैक ान क्यों नही करवाए? डिप्टी स्पीकर साहब, इन्होने संघर्श समिति नाम रखा है। तो ाम का चुनाव हुआ। ये इलैक ान में तो संघर्श करते नही। इसलिऐ मुझे समझ नही आती कि ये किस बात का सघर्श करें लेकिन ये इलैक ान का बाई काट करते है। दो साल हो गए यहां पर आकर अपनी बातें नही करते है। मैने पहले भी कहा था कि जो इलैक्टिड आदमी, जो पब्लिक का नूमायंदा है अगर वह हाउस में आकर अपनी बात नी कहता है तो वह अपनी डियूटी में फेंल होता है।

यह याद रखने की बात है पब्लिक आज इतनी समझदार है कि वह हर इलैक्टिड आदमी की ए0 सी0 आर0 लिख रही है। लोग उसका सारा खाता देखते है और वक्त आने पर चुका देते है। वे कभी भी उधार नही रखते। ये लोग जो हाउस में नही आ रहे हैं और यहां पर अपनी घर को और अपनी पार्टी को ठीक नहीं रख सकते है। वे स्टेट का भला कैसे कर सकते है। आप कई दिनों से देख रहे है इनकी आपस में लड़ाई हो रही है, कहते है कि कौन चौधरी बनेगा। रात को आपने रोडियो पर भी सुना होगा। इनकी ए और बी के नाम से दो पार्टियां बन गई है या दो ग्रुप बन गए है। अजीत सिंह का ग्रुप ए है और बहुगुणा का ग्रुप बी है। अभी नेहरा साहब कह कहे थे कि इनके ग्रुप बनते जैड तक जांएगे। इसी बात को देखते हुए चौधरी देवी लाल जी सोच रहे है कि रीजनल पार्टी बना ली जाए। वे चाहते है कि केरल के पैटने पर यहां भी लोक दल बना लिया जाए। इन्होने पहले भी बहुत सी पार्टिया बनाई है और आगे का पता नही कितनी बनाएंगे। मेरे कहने का अभिप्राय यह है कि राजनीति में वही पार्टी, वही लीडर होता है जो लोगों के दिलों को जीत सके। हमें तो काम प्यारा है चाम प्यार नही है। चौधरी बंसी लाल का नाम सारे हिन्दुस्तान में सूरज की तरह चमक रहा है। इसका एक ही कारण है कि वे काम करते है। जो कहते है उसे पूरा करते है और साफ बात करते है। आज हरियाणा में इस बात का एक वातावरण सा बना हुआ है कि चौधरी बंसी लाल जी हरियाणा की तरक्की करेंगो तथा कानून ओर व्यवस्था को ठीक रखेगे। यही कारण है कि जब वे जगह

जगह जलसे करते है तो लाखों की तादाद में लोगों वहां उमड़ कर आते है। लोगों में वि वास पैदा हो गया है कि जब हरियाणा के हित इनके हाथों में सुरक्षित है। विरोधी पार्टियों के भाई कहते है कि हरियाणा के हित के लिए हम असैम्बली मैं नही आएंगे। ये लोगों को गुमराह करते है कि हमने तुम्हारें लिये असैम्बली छोड़ रखी है। डिप्टी स्पीकर साहब, एम0 बाई0 एल0 कैनाल हरियाणा की लाइफ लाइन है। वे अपने समय में इसके के लिए कुछ भी नही कर सके उल्टा केस सुग्रीम कोर्ट में ले गए। बीच में एक दिन यहां पर आकर कह गए कि पंजाब का मुख्य मंत्री प्रका ा सिंह बादल होना चाहिए। सरदार प्रका ा सिंह बादल यह भाशा बोलते है कि अगर यह नहर पूरी हो जाती है तो हम कार सेवा करके इसे बन्द कर देंगे या भर देगें। जो आदमी हमारे इंट्रैस्ट के खिलाफ इतनी बात कहता है उनके लिये ये कहते है कि वह मुख्यमंत्री होना चाहिए। आज लोग इतने भोले नही है, वे सारी बातों को समझते है। नेहरा साहब ढोल के पोल की बात कह रहे थे। उनके टाइम जो असैम्बली में बातें कही गई थी वे बातें कांग्रेस पार्टी लोगों को बताएगी। उन्होने अपने समय में किसानों और मजदूरों के लिये क्या किया और आज वे क्या चाहते है। डिप्टी स्पीकर साहब, मै आपके द्वारा इस हाउस का बताना चाहता हूं कि हमारा नि ाना क्या है। हम चाहते है कि जो वायलैन्स की फोर्सिज है और डिस्ट्रक ान की फोर्सिज है उनको बोल्डली सिन–सियरली और इंटैलीजैटली मिटाया जाए, इसमें हरियाणा का भला है। इस प्रस्ताव के बारे में बहुत सारी बातें हमारे साथियों ने

उस समय भी की थी जिस समय यह प्रस्ताव पे ा किया गया था। डिप्टी स्पीकर साहब, मै एस0 वाई0 एल0 के बारे में कह रहा था। एस0 वाई0 एल0 नहर की खुदाई बहुत जरूरी है। किसान इस तरफ मुंह उठाये देख रहा है कि कब यह नहर खुदेगी। अब हाउस में यह बताया गया है कि दिसम्बर, 1987 तक यह नहर पूरी हो जायेगी। यदि इस नहर को सैन्टर अपने हाथ में ले ले तो और जल्दी बन सकती है। वे लोग सिर्फ धक्का करना जानते है। विरोधी पक्ष के भाइयों ने 23 सितम्बर को रास्ता रोकोदिवस मनाया था। उस दिन उन्होने जगहों जगहों पर कीकरें काट कर सड़कों पर डाल दी। यह कौन सी उनकी आर्थिक पालिसी थी जिसके तहत ये पेड़ काटे गए थे। उस समय उन्होने यह भी कहा था कि हम कहीं पर भी कांग्रेस का जलसा नहीं होनी देंगे। अध्यक्ष महोदय, उसी बारे में मै हाउस को बताना चाहूंगा कि 30 सितम्बर, 1986 को मैने अपने हल्के के चार गांव, हसनगढ़ बरवाला, कपड़ो और गामड़ा में ि ाक्षा मंत्री, श्री जगदी ा नेहरा का जलसों को रोकने के लिए मुझे डी0 सी0 साहब ने भी कहा था कि जलसे मत कराओं क्योंकि वातावरण ठीक नही है। मैने कहा क्यों, जब हम लोगों के लिए सड़के बनवाते है, स्कूल बनवाते है और दूसरे काम करते है तो लोगों ने अपोजी ान के भाइयों की बातों की तरफ ध्यान नही दिया और वहां पर जलसा ठीक ठाक सम्पन्न हुआ था यह कुछ लोगों की मैजोरिटी के कारण ही हुआ। जब मैजोरिटी हमारे साथ थी तो अपोजी ान वाले हमें रोकने वाले कौन थे? जिन लोगों के पास मैजोरिटी नही होती वे

लोग दूसरे हथकण्डों से उत्पात है। जब किसी के साथ पब्लिक का सहयोग हो तो दूसरी पार्टी कुछ नही कर सकती। यह बात सही है कि जीन्द के जलसे के अन्दर उन्होने गड़बड करने की कोि ा ा की लेकिन पाब्लिक के आदमियों ने और वहां पर काम कर रहे वर्करो ने वह नही होनी दी। राजनीति में जिन्दा रहने के लिए पब्लिक की स्पोर्ट का होना बहुत जरूरी है।

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मै यहां पर ऐडमिनिस्ट्रे ान की बात कहूंगा क्योकि यहां पर प्र ाासन का सारा ढांचा सही काम कर रहा है। यहां के वातावरण को ठीक रखने का श्रेय वि ोशकर हमारी पुलिस को जाता है क्योकि हमारी पुलिस के जो ऐडमिनिस्ट्रेटिव आफिसर्ज है उन्होने बहुत अच्छा सहयोग दिया है और अच्छे काम किए है। पंजाब में जो गड़बड़ हो रही है और वहां पर जो मुलजिम है या दोशी है वह क्यों नही पकड़ा जाता, उसका कारण यह है कि वहां को ऐडमिनिस्ट्रे ान को आपस का पूरा सहयोग नही मिल रहा। यही एक कारण है जिनकी वजह से वहां पर वातावरण दिन–प्रतिदिन खराब होता जा रहा है। अगर ऐडमिनिस्ट्रे ान का आपस से सहयोग हो तो यहां के वातावरण ठीक करना कोई मुि कल काम नही है। वहां पर मुलजिम आम आदमियों को मार कर निकल जाते है वह कितनी बुरी बात है। डिप्टी स्पीकर साहब, विरोधी पार्टी के भाईयों ने वही हालत हरियाणा में भी पैदा करने की कोि ा ा की है जो आजकल पंजाब में हालत चल रही है। कुछ एक दो घटनाओं मे हमारे

अपोजि ान के भाईयो ने गड़बड़ करवाई जिसकी वजह से हमारे यहां के तीन आदमी मारे गऐ थे। उसी प्रकार से इन लोगों ने इन दिनों ने रोहतक के अन्दर भी गड़बड़ कराने पूरी पूरी कोि ा ा की लेकिन वे कामयाब नही हो पाये। वे तो चाहते थे कि रोहतक में भी गड़बड हो और वहां पर भी दो चार आदमी मरैं। उनकी राजनीति सिर्फ गड़बड़ करवाने की ही रह गयी है। जिस पार्टी को कोई नीति नही होती और कोई प्रोग्राम नही होता वह पार्टी ऐसे ही छोटे छोटे हथकण्डे अपनाती है। झूठ वही आदमी बोलता है जिसके पास बोलने के लिए सच न हो। हमें तो लोगों के भले काम करने से ही कुर्सत नही है और इन्हें गडबड़ कराने के अलावा और कोई काम नही है। अब वे लोगों को भड़का रहे है और जगह जगह पर कह रहे है कि हरियाणा में इलैक ान टाल दिए है यानी पोस्टपोन कर दिए है। उन को यह पता नहीं कि यहां के इलैक ान तो 23 जून तक डयू है। मुख्यमंत्री चौधरी बंसी लाल जी का एक ब्याना बार बार आया है कि यहां पर चुनाव समय पर होंगे। पोस्टपोन की बात ये भाई उस समय करते अच्छे लगते जब समय निकल जाने के बाद भी यहां पर चुनाव नहीं करवाये जाते। अपने समय के दौरान उन्होने किसानों को उनकी फसल का कोई भाव नही दिया। उनके समय मैं कानून व्यवस्था यह थी कि जगह जगह पर आम आदमी डरा हुआ था। उस समय तो उन्होने लोगों के भले के लिए कुछ नही किया। अब वे कहते है। एक बार फिर हम राज अपने हाथ में लेंगे। वे जब पहले आये थे तो उस समय कितना नुकसान लोगों का कर गए और अब

आयेंगे तो और कितना नुकसान लोगों का करेंगे, इसके बारे में मै आपको एक किस्सा सुनाना चाहता हूं। डिप्टी स्पीकर साहब, एक लाला के घर चोरी हो गई थी। लाला ने चोरी की रिपोर्ट पुलिस में दर्ज करा दी। पुलिस तहकीकात करने के लिए लाला जी घर पर आ पहुंची। उनके लिए पेड़े व दूध आदि खाने–पीने के लिए लाये गए। खाते खाते थानेदार ने पूछा कि लाला जी आप अपनी चोरी की लिस्ट बना दो कि आपका कितना नुकसान हुआ है। इस पर लाला जी कहने लगा कि थानेदार साहब, अभी तो चोरी होने लग रही है लिस्ट तो बाद में ही आपको दे पाऊग। मेरे कहने का मतलब सिर्फ इतना है कि वे अपने पहले समय में जो नुकसान करके गए थे वह तो आज तक पूरा नही हो पाया और आगे आ गए तो कितना नुकसान करके जांएगे उसके बारे में यहां पर कुछ कहा नही जा सकता। अब उनके एक नेता भावी मुख्यमंत्री होने की बात करते है। वे लोगों को गुमराह करते फिर रहे है। जब से चौधरी बंसी लाल जी प्रदे ा के मुख्यमंत्री बने है तब से तो हरियाणा का वातावरण बहुत ही ठीक हुआ है। आज हर आदमी यह समझता है कि चौधरी बंसी लाल के एडिमिनिस्ट्रे ान में कोई खतरा नही है। हर आदमी इतने अच्छे वातावरण में सब जगह आजादी के साथ घूम फिर सकता है। मै आपके जरिए यह कहना चाहता हूं कि हम उनकी हरियाणा के अन्दर गड़बड़ करने नही देंगे। अभी चुनाव का समय आ रहा है। उनको पता चल जायेगा कि भावी मुख्यमंत्री कौन होगा। आज उनके अपने अन्दर के हालत तो ठीक है नही। उनकी पार्टी के अब दो ग्रुप बन चुके है। अब

दो ग्रुप हाने से अम्बाला में उनका जो प्रोग्राम था वह पर बहुत कम लोग उनके जलसे में भाशण सुनने के लिए पहुचें है। यह बात तो अखबारों में भी आई है कि वहां पर गैदरिंग बहुत कम थी। उस का कारण यह है कि अगर उन लोगों के पास कोई नीति हो या कोई प्रोग्राम उस का कारण यह है कि अगर उन लोगों के पास कई नीति हो या कोई प्रोग्राम जनहित का हो तो लोग उनके जलसों में आयें। मै आपको बताना चाहूंगा कि कांग्रेस के जमाने में कितने काम यहां पर हुए। आप देखते है कि कांग्रेस के राज में ही सारे गांवों तक सड़के पहुचाई गई और बिजली पहुचाई गई। कांग्रेस ने अपने राज के दौरान हरियाणा को चार चान्द लग दिए है। जिस समय हमारा प्रदे ा पंजाब में था उस समय यहां पर कुछ भी पैसा खर्च नही होता था जहां हमारा प्रदे ा पहले 11 वें नम्बर पर होता था आज कांग्रेस की नीतियों से दूसरे नम्बर पर आ पहुंचा है। मुझे वि वास है कि वह दिन दूर नही जब चौधरी बंसी लाल जी के नेरत्व में हरियाणा दूसरे नम्बर से पहले नम्बर पर आयेगा। जब इन्दिरा जी कभी दूसरी स्टेट में जाती थी और वहां पर तरक्की की बात होती थी तो वे कहा करती थी कि तरक्की देखने है तो चौधरी बंसी लाल के हरियाणा में जा कर देखों। अभी दो तीन दिन पहले हमारा बजट पे ा हुआ था और वह कल पास भी हो चुका है। उसमें हमने कितनी रियायतें दी है वह सबको पता है। इस साल भी सरकार ने कोई टैक्स नही लगाये है। अन्त में मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करते हुए आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

चौधरी साहब सिंह सैनी (थानेसर): उपाध्यक्ष महोदय, इस समय सदन में सरदार लछमन सिंह जी के गैर सरकारी प्रस्ताव पर चर्चा चल रही है। मैने भी पिछले सै ान में इस प्रस्ताव पर कुछ चर्चा की थी और आज फिर मै इस प्रस्ताव पर दो भाग है। The first part of this resoultion is as under:-

"This House strongly condemans the elements which vitate the atmosphere of the State by dividing the general pubic by spreading in feeling of casteism".

The second part of this resolution is a follows:-

It stronly apperciates and supports the steps taken by the State Government for maintaining communal amity (brotherhood) and safeguarding the interests of the weaker sections of the society, paricularly the minorities in the State"

उपाध्यक्ष महोदय, जैसे मेरे साथियों ने पहले कहा, कुछ ऐसे ऐलीमैटस, कुछ ऐसे तत्व हमारे प्रदे ा में भी है और सारे हिन्दुस्तान में है जो जाति–पाति का जहर फैला कर अपने निजी स्वार्थी के लिए इस प्रकार का प्रचार करते है। उपाध्यक्ष महोदय, कोई भी दे ा, कोई भी समाज तभी तरक्की करता है जबकि वहां के लोग, वहां के नागरिक सभी इकट्ठे होकर के उसमें सहयोग दे और आगे बढ़े लेकिन हरके समय में, हरेक युग में ऐसे लोग पैदा होते रहे है जो विघटनकारी काम करके, समाज में बदअमनी फैला करके अपने स्वार्थे को सिद्ध के लिए ऐसा काम करते है। आज डिप्टी स्पीकर साहब, हमारा दे ा काफी नाजुक दौर से गुजर रहा

है। कुछ ऐसे लोगा है जो हमारे दे ा को तोड़ना चाहते है, जो हमारी तरक्की को देख करके खु ा नही है। ऐसी ताकतों ने हमारे दे ा में ऐसे लोगों को, समाज विरोधीतत्वों को भड़का कर, उनको अलग अलग जगहों से अलग अलग ढंग की मांग आई। कोई खालिस्तान की मांग करने लगे और कोई दूसरे ढंग की मांग आई। कोई कहता है कि हमारा अलग प्रदे ा बनाया जाए। ताकतों का एक ही मकसद है कि वे हमारे दे ा को कमजोर करे लेकिन, डिप्टी स्पीकर साहब, हमारे दे ा के नागरिक बहुत ही समझदार है और बहुत सूझबूझ से काम लेते है। जब भी हमारे दे ा है, हमारे नागरिकों ने उस का एक जुट होकर मुकाबला किया है। इसका जीता जागता प्रमाण आपके सामने है। जब जब भी हमारे पड़ोसी दे ा ने भारत पर हमला किया तभी सभी ने जातपात की भावना को छोड़ कर, सभी झमेलों को छोड़ कर उसका मुकाबला किया और दु मन को मुंह तोड़ जवाब मिला। आज भी ऐसे कुछ लोग वैसे हालात पैदा करने की कोि ा ा कर रहे है लेकिन हमारी केद्रीय सरकार, हरियाणा की सरकार करने की कोि ा ा कर रहै है लेकिन हमारी केद्रीय सरकार, हरियाणा की सरकार इस जहर की आगे न बढ़ने देने के लिए प्रयत्न ील है और हर संभव कोि ा ा की जा रही है कि यह जहर न फैले। डिप्टी स्पीकर साहब, मै इस सम्बन्ध में हरियाणा का वि ोश जिक्र करना चाहूंगा। हमारा हरियाणा प्रदे ा बड़ा भान्तिप्रिय प्रदे ा है और लगातार तरक्की के रास्ते पर है। इसका कारण यही है कि यहां भान्ति है। जिस प्रदे ा में भान्ति होगी वहां पर पैसा

डिवैल्पमैंट पर खर्च होगा। जहां झगड़े होंगे, जहां अ ान्ति होगी वहां सरकार की निगाह उसकी रोकथाम के लिए लगेगी और विकास का कार्य पीछे रह जाता है। हरियाणा प्रदे ा में जब कभी कोई घटना किसी सिर फिरे ने की उसको तुरन्त दवा दिया गया। (इस समय सभापतियों की सूची में से एक सदस्य, चौधरी इन्द्र सिंह नैन पदासीन हुए।) चेयरमैन साहब, बड़ी खु ी होती है जब हरियाणा का नाम दूसरी जगह सुनते है। आज दूसरे प्रान्तों से आकर लोग यहां रहना चाहते है। जहां इतना विकास हो, हर प्रकार की सहूलियत हो, भान्ति हो, हर आदमी सहयोग से रहता हो, वहां कौन नही रहना चाहेगा? इसका श्रेय मै अपनी सरकार, कांग्रेस सरकार को, वि ोश कर चौधरी बंसी लाल को देना चाहता हूं। उन्होने जब से पुनः मुख्यमंत्री पद संभाला है और अलग अलग डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर्ज और हल्कों में जाकर कहा है कि यदि कोई गड़बड़ करने की कोि ा ा करेगा उसे सख्ती से डील किया जाएगा ताकि आयंदा कोई अ ान्ति न फैला सके। जलसों मेंयह भी कहा गया है कि हरियाणा में माइन्योरिटी कम्यूनिटी को हर प्रकार की सहायता दी जाएगी और किसी को इजाजत नही होगी कि उनकी और उंगली उठा सके। उनके हकूक यहां बिल्कूल महफूज होंगे। जब माइन्योरिटी कम्यूनिटी को यह आ वासन मिला तो उनके मन में यह भावना पैदा हुई कि अब वे हरियाणा में भान्ति से रह सकेंगे क्योकि यहां भाासन की बागडोर एक अच्छे आदमी के हाथ मे है। कुछ लोग जाति पाति का नाम लेकर इस भाान्ति को भंग करनेक की कोि ा ा करते है। उनको

तुरन्त सख्ती से दवा दिया जाता है। भाहबाद मैं एक इंसिडैन्ट हुआ था। एक बस में किसी सिरफिरे ने एक बम रखा दिया था। उसकी वजह से दो कीमती जाने गई थी और कुछ लोग जख्मी हुए थे लेकिन तीसरे दिन ही हमारी पुलिस ने दोशियों को पकड़ लिया था और उनके ऊपर केस चल रहा है उसके बाद कम से कम हमारे कुरूक्षेत्र एरिया में ऐसी कोई घटना नही हुई। चेयरमैन साहब, कुरूक्षेत्र जिले का गुल्हा, पेहवा और कैथल एरिया पंजाब बोर्डन के साथ लगता हुआ है और बड़ा सैन्सिटिव एरिया है लेकिन उसके बावजूद वहां कोई घटना नही हुई। लेकिन इसके विपरीत सिरसा जिले में बड़े दुःख की बात है कि श्री जगदी ा जी बेनिवाल जो विधान सभा के सदस्य रह चुके है, की मौत हुई और पता यह लगा है कि कुछ सिरफिरें लोग पंजाब से आए और उन्होने उनकी हत्या की। वे लोग पकड़े भी गए है लेकिन अफसोस की बात यह है कि विरोधी पक्ष के जो लोग पंजाब के हिमायती बने फिरते है और कहते है कि हम हरियाणा के हितों की रक्षा करेंगे उनके ही जिले में यह घटना हुई। तो मै चाहूंगा कि ऐसे लोगो को जो जाति पाति का जहर फैला कर एक कम्यूनिटी को दूसरी कम्युनिटी के लोगों से लड़ाना चाहते है और सिर्फ यह बात कहते ओर समझते है कि यहां केवल एक कम्यूनिटी के लोग रहते है, दूसरे लोग नही रहते, ऐसी बातों से गुरेज करना चाहिए ताकि प्रदे ा की भान्ति कायम रहे।

चेयरमैन साहब, हमारी सरकार ने भाान्ति कायम करने के लिए जो प्रयत्न किए है, मै उसकी सराहना करता हूं। साथ लगते हुए प्रदे ा पंजाब में इतनी भंयकर स्थिति होते हुए कि वहां हर रोज किसी न किसी की हत्या कर दी जाती है, उग्रवादी बैक लूटते है, निर्दोश लोगों की हत्या करते है, और बसों पर अटैक करते है, परन्तु हमारे प्रदे ा में बौर्डर के साथ लगते हुए एरिया में भी बिल्कुल भाान्ति है। यह हमारी सरकार, कांग्रेस पार्टी की नीतियों, और हमारे नेतृत्व की सूझबूझ से ऐसा सभंव हो पा रहा है। इसके लिए मै अपनी सरकार की, अपने पुलिस कर्मियो की और प्र ाासकों की जितनी भी सराहना करूं उतनी ही कम है। यहां हर प्रकार से कोि ा ा की गई है कि किसी तरह की बदअमनी न फैले। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए।)

अध्यक्ष महोदय, अन्त में मै अपने विरोधी पक्ष के भाइयों से कहना चाहूंगा कि अगर वे चाहते है कि हरियाणा का हित हो और हरियाणा के हितों की रक्षा हो तो उन्हे विकास के कामों में सहयोग देना चाहिए न कि नुक्ताचीनी करनी चाहिए। नुक्ताचीनी भी वे करें लेकिन नुक्ताचीनी हैल्दी होनी चाहिए और अच्छे सुझाव उनकी तरफ से आने चाहिएं जिससे हरियाणा आगे बढ़े।

अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने भी यहा कहा और हमने वैसे भी सुना है कि हमारे प्रदे ा को जब प्रधानमंत्री जी ने 403 करोड़ रूपये की सहायत दी तो विरोधी पक्ष के भाइयों ने कहा कि यह पैसा नही देना चाहिए था। ऐसे भाई हरियाणा के

हितों की रक्षा कैसे करेंगे? इस प्रदे ा को विकास के कामों के लिए तो पैसा मिल लेकिन विरोधी पक्ष के भाई कहें कि यह पैसा नही मिलना चाहिए यह कोई अच्छी बात नही और ऐसे लोगों प्रदे ा के हितों की रक्षा नही कर सकते। इसी तरह से डिवैल्पमैंट के और कामों की बात है। अभी मेरे साथी चौधरी इन्द्र सिंह नैन बोल रहे थे कि विरोध पक्ष के लोगों ने रास्ता रोको आन्दोलन के दौरान जो स्टेट को फोरेस्ट है, हमने जो पेड़ लगाये हुए थे, उनका काट काट कर ना ा किया और सड़को पर गिरा दिये। उन पेड़ो से सरकार को जो रैवेन्यू आना था उसका नुक्सान किया। विरोधी दल के भाई कहते है कि हम हरियाणा के हितों की रक्षा करेगे। स्पीकर साहब, इस प्रकार से वे कैसे रक्षा करेंगे? मै सदन के माध्यम से कहना चाहूंगा कि वे इन बातों से गुरेज करें और डिवैल्पमैंट के कामों में सहायता करें। इस भाब्दों के साथ मै इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं और अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

मुख्यमंत्री द्वारा वक्तव्य–

राज्य के सरपंचों पंचो को सरकारी खर्च पर पंजाब क्षेत्र में एस0 वाई0 एल0 नहर पर कार्य की प्रगति को दिखाने सम्बन्धी

मुख्य मंत्री (चौधरी बंसी लाल): स्पीकर साहब, सरकार ने यह फैसला किया है सतलुज यमुना नहर जो कि पंजाब के क्षेत्र में है के हो रहे कार्य को हरियाणा के सरपंचों और पंचो को दिखलाया जाये। इस आ ाय से सरकार 20 मार्च से प्रति दिन

सरपंचों और पंचो को सरकारी बसों में कुरूक्षेत्र में भाखड़ा तक ले जायेगी और वापिस लायेगी। पहले सरपंच और पंच अपने अपने गांवो से कुरूक्षेत्र तक आयेगे और फिर सरकार उन्हे दूसरे दिन सुबह कुरूक्षेत्र से भाखड़ा तक ले जायेगी और बाद में भाखड़ा से कुरूक्षेत्र या कर अपने अपने गांवो में वापिस चले जायेंगे। प्रतिदिन 12 बसे कुरूक्षेत्र से चलायी जायेंगी। किराया और खाने खर्चा सरकार की और से किया जायेगा। (तालिया)

राज्यपाल से सन्दे ा

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज मुझे एक मैसेज गवर्नर साहब की तरफ से आया है जो मैं आपको कन्वे करना चाहता हूं। मैसेज को मै पढ़ देता हूं:–

"I write to acknowledge with thanks the recipt of your dime-official letter No. HVS-LA-29/87/3597 date 25th February, 1987, forwarding a copy of the Motion n of Thanks passed by the Haryana Vidhan Sabha on 25 th February, 1987. I shall be grateful if you could kindly convey to the Hon,ble Member of the Haryana Vidhan Sabha my thanks and appreciation for the kind thought in accepting the motion."

गैर सरकारी संकल्प (पुनरारम्भ)

सेठ राम दास धमीजा (अम्बाला छाबनी): आदरणीय स्पीकर साहब, आज हाउस में सरदार लछमन सिंह जी का दिया हुआ नौन औफि ियल रैजोल्यू ान आया है। मैं उसकी ताइद

करने के लिए खड़ा हुआ हूं। हरियाणा में अकलियतें बिल्कुल महफूज हैं। यहां किसी किस्म का कोई वाक्या नहीं हुआ और न ही होने की आ ा सरकार करती है। हमारी सरकार कोई भी ऐसा काम नहीं करना चाहती जिससे किसी फिरके के लोगों को बराबरी का हक न मिलें। यहां पर सैकुलर हकूमत है। कांग्रेस की विचारधारा ऐसी है कि सब को बराबर का हक मिले लेकिन अपोजि ान का प्रोग्राम है कि दे ा में उथलपुथल की जाये ताकि दे ा टूट जाये। बी0जे0पी0 का काम है कि गलत अफवाहें फैलायी जायें और गलत प्रौपेगण्डा किया जाए। ये भाई दिन में प्रोग्राम बनाते हैं और रात को अमल करते हैं। इनका कोई भी काम दिन में नहीं होता है। गलत प्रौपेगण्डा करना और हड़ताल करना ही इनका काम है। भारीफ लोग गलत लोगों के डर से दुकानें नहीं खोलते हैं। वे कहीं पर हड़ताल के नारे देते हैं तो कहीं कुछ और कहते हैं। इसलिए भारीफ आदमी अपनी दुकानों को नहीं खोलते ताकि कोई लूट न ले जाये या भी ो न तोड़ दें। अगर इन भाइयों ने पंजाब जैसे हालात पैदा करने है तो स्थिति यह आएगी कि हर भाम को लोग दुकानों बन्द बन्द करके अपने अपने घरों को चले जायेंगे। हरियाणा में तो अमन और भान्ति का राज है। यहां तो रात के 12 बजे तक फिरते रहें तो भी किसी बात का डर नहीं है लेकिन इन लोगों की वजह से 95 प्रति ात भाहरी घबराये हुए हैं क्योंकि पंजाब में गड़बड़ हे। लोक दल और बी0जे0पी0 वाले पंजाब जैसे ही हालात यहां बनाना चाहते है। लोक दल और बी0जे0पी0 वाले पंजाब जैसे ही हालात यहां बनाना चाहते हैं। मैं

जनता से अपील करूंगा कि अगर आप हरियाणा में भान्ति का माहौल चाहते हैं तो गलत बातों और झुठे प्रौपेगन्डा पर यकीन न करें। हरियाणा में अमन और भान्ति का वातावरण रहने दें। एक मां के दो बेटे हैं एक हिन्दू है और एक सिक्ख है फिर इन दोनों का बंटवारा कैसे हो सकता है। जब दोनों की एक मां है फिर वे कैसे अलग अलग रह सकते है। पंजाब में फ्रन्टीयर के इलाके में यह रिवाज था कि हर फैमिली अपने बड़े बेटे को सिक्ख बनाती थी और छोटे को हिन्दू। स्पीकर साहब, मैं नहीं समझता कि यह कत्लों गारत का प्रोग्राम कब तक चलेगा ? गुरू तेगबहादुर हिन्दू थे उन्हें हिन्द की चादर कहते थे उन्होंने हिन्दुओं की रक्षा की। गुरू गोबिन्द सिंह ने हिन्दुओं की हिफाजत के लिए खालसा पंथ चलाया। आज फिरकापरस्तों ने हालात बदल दिये हैं। ये लोग विदे ी ताकतों क साजि ा से दे ा के टुकड़े करना चाहते हैं। ये चाहते हैं कि हमारे हाथों में हकूमत आ जाये लेकिन वह कभी नहीं आ सकती। ये सोचते हैं कि हमारे हाथों में हकूमत आ जाये लेकिन वह कभी नहीं आ सकती। ये सोचतें हैं कि अगर दे ा के टुकड़े हो जायें तो पाकिस्तान और अमेरिका की मिलीभगत से हकूमत मिल जायेगी। बी0जे0पी0 के जम्मू का मीर, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली और मध्यप्रदे ा से कुल दो एम0पी0 और बाकी सारे कांग्रेस के हैं। कांग्रेस भान्ति और अमन चाहती है। कांग्रेस की सारे दे ा के लिए एक नीति है लेकिन इनकी अलग अलग प्रदे ाों में अलग अलग नीतियां हैं। आने वाले इलैक ान में ये कुल 15 आदमी खड़े करेंगे जिनमें 3–4 बन पायेंगे। ये अपना राज

कैसे ला सकते हैं ? जब लोगों ने इन्हें मौका दिया था तो ये राज नहीं कर सके। पब्लिक ने जिन लोगों को चुन कर भेजा हुआ है वे भी असैम्बली में नहीं आ रहे हैं। उन्हें यहां आना चाहिए और अपोजि ान का रोल अदा करना चाहिए। यहां लोगों की तकलीफ बतायें और सरकार यदि कोई गलत काम कर रही है तो उस पर एतराज करें। घर बैठे रहेंगे तो वे लोगों को क्या जवाब देंगे जब वे यहां सै ान में उनकी कोई बात ही नहीं कर रहे हैं ? मैं समझता हूं कि वे अपपनी डियूटी अदा करने में कोताही करते हैं वे भाहरों में तो मुंह दिखाने के काबिल भी नहीं हैं। जब लोगों ने उन्हें चुना है तो सै ान का बाइकाट क्यों करते हैं ? वे यहां आ कर क्यों नहीं कहते कि हरियाणा में भान्ति और अमन है। कांग्रेस के राज में भाान्ति और अमन है, सिकी किस्म के उपद्रव नहीं हुए हैं। भारत सरकार भी चाहती है कि हरियाणा में अमन रहे। भारत सरकार यह भी चाहती है कि नीचे भी कांग्रेस का राज रहे और ऊपर भी कांग्रेस का राज रहे। अब दोनों जगहों पर कांग्रेस का राज है इसलिए भाान्ति है और हरियाणा प्रान्त तरक्की कर रहा है। हरियाणा तो गेट वे आफ इंडिया है। हमारा प्रगति का प्रोग्राम है, उसी की वजह से हम नम्बर दो पर हैं। मैं आ ाा करता हूं कि हम जल्द से जल्द नम्बर एक पर आने की कोि ा ा करेंगे। जमहूरियत में हरेक को बोलने का हक है लेकिन ये बी0जे0पी0 के भाई दूसरों को सून नही ंसकते। जलसे करेंगे, अपनी बात तो सुनाने की कोि ा ा करेंगे लेकिन दूसरों की सुनने के लिए तैयार नहीं। यह तो कहते हैं कि जो हम कहते हैं वह ठीक है और जो

वे कहते हैं वह गलत है। असलियत को सुनना नहीं चाहते। जनता ने इन लोगों को पांच साल का मौका दिया। ए0सी0 का टिकट अम्बाला से दिल्ली तक का दिया लेकिन पानीपत से वापिस आ गये। तीन टांग की कुर्सी थी एक आंग के बिना कुर्सी कैसे टिक सकती है। एक टांग तो टूटी ुई थी। इनके आपस के लड़ाई झगडे ही खत्म नहीं हुए, ये ला एण्ड आर्डर कैसे रख सकते थे। अगर इन लोगों ने किसी अफसर को कोइ काम कहना होता तो बी0जे0पी0, लोक दल और जनता पार्टी के लोग अलग अलग किस्म से कहते थे। अब अफसर भी चक्कर में पड़ता जाता था कि किस की बात माने। ला एण्ड आर्डर का तो इन लोगों ने बेड़ा गर्क कर दिया। थाने मे ंजब चोर से पूछा जाये कि क्या आपने चोरी की है, तो वह क्यों बतायेगा ? ला एण्ड आर्डर का सत्याना ा करने वाले यही लोग हैं। सन् 1978 में हमारा एक ग्रुप श्रीमती इंन्दिरा गांधी से मिलने गया तो हमने पूछा कि बहिन जी मिड टर्म पोल होंगे या पांच साल बाद इलैक ान होंगे। उन्होंने कहा कि जनता पार्टी संतरे की तरह है। जब सन्तरे का छिलका उतार कर फाड़ों को अलग अलग कर दोगे तो उनको दुबारा इकट्ठा करना चाहो तो कैसे कर सकते हो ?

कुछ दिनों के बाद बिल्कुल ऐसा ही हुआ कि वह फाड़ियां इकट्ठी नहीं हो सकी। एक बार इनका जो राज आया था, उसको यह संभाल नहीं सके। सिवाय आपस मे लड़ने के और कुछ नहीं किया। अपने अढ़ाई सल के वक्त में आज यह कुछ नहीं

कह सकते कि हमने किसान के लिए, दुकानदार के लिए या कारखनेदार के लिए कुछ किया है। मैं सी0एम0 साहब की सराहना करता हूं कि उन्होंने प्रदे ा में तरक्की के लिए अकलियतों को महफुज रखने के लिए ब्यान दिया कि उनको किसी किस्म की तकलीफ नहीं होगी। जो उनको इन्होंनें यकीन दिलाया, वह उनको अब हो भी गया है कि हमारे मुख्य मंत्री जी ने जो ब्यान दिया है, उस पर अमल भी किया है। अन्त में मैं इस रेजोल्यू ान की ताईद करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

ठाकुर बहादुर सिंह (दड़वा कलां): स्पीकर साहब, सरदार लछमन सिंह जी का यह प्रस्ताव है कि जात–पात का जहर फैलाने वाले लोगों की निन्दा की जाये और प्रदे ा में भाान्ति रखने के लिए सरकार की सराहना की जाये, मैं इसका समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। आज की यह बहुत बड़ी जरूरत है। हमारे दे ा में और हमारे प्रदे ा में यह जो जात–पात का जहर फैलाव अख्तियार करने लगा है, इसको रोका जाये। जाति–पाति मनु महाराज ने उस वक्त बनायी थी जिस वक्त समाज पे ा पर आधारित था। जाति पाति मनुश्य के पे ो पर निर्भर करती थी। कोई आदमी जिस किस्म का पे ाा करता था, उसी तरह की उसकी जाति बनाई गयी थी। लेकिन आज जो माहौल बना हुआ है, उसमें एम0एल0ए0 बनने के लिए जाति का सहारा, नौकरी पाने के लिए जाति का सहारा, चोरी करने के लिए जाति का सहारा और डाका डालने के लिए जाति का सहारा लिया जाता है। यह

आज हमारे जीवन का एक अंग बन गया है। सरदार लछमन सिंह जी ने जो बात कही है कि अल्पसंख्यक लोगों की सुरक्षा हरियाणा सरकार कर रही है और अल्पसंख्यक आज यहां पर हर लिहाज से सुरक्षित हैं, यह बात सही है। आज यह देखने को मिलता है कि हमारे पड़ोस के प्रदे ा में जो हालात हैं, वह किसी से छुपे हुए नहीं है। उनको सुनकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। उनको सुनकर बड़ी हैरानी होती है। वहां पर इस किस्म का वातावरण है कि इन्सान का जीवन बहुत सस्ता हो गया है। इस सब के बावजूद हरियाणा में कोई वारदात ऐसी नहीं जैसी पंजाब में हो रही हैं। हरियाणा में आज भाान्ति है। हरियाणाा में जाति पाति का जहर फैलाने वाले एक महान नेता हमारे प्रदे ा के चौधरी देवी लाल हैं। हमारे हरियाणा के मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी हर लिहाज से सैकुलर हैं। लोग सच्चाई को देखते हैं और असलियत को पहचानते हैं। जो कुछ यह कहते हैं, वह करते भी हैं। चौधरी देवी लाल ने जात–पात का जो नारा लगाया था, उसका असर किसी हद तक अब कम होना भाुरू हो गया है। मै ंउनको यह कहना चाहूंगा कि वे आग से खेल रहे हैं, अंगारों को न पकड़ें। आज प्रदे ा में जगह–जगह छोटे–छोटे नेता भी जात–पात का सहारा लेकर अपनी दुकानदारी चलाने के लिए अपने आपको आगू बनाने के लिए कोि ा ा कर रहे हैं। कही ंपर कोई बनियों का नाम लेकर इकट्ठे हो रहे हैं, कहीं पर जाटों का नाम लेकर, कहीं पर ब्राहाणों का नाम लेकर, कही ंपर राजपूतों का नाम लेकर तो कहीं पर हरिजनों का नाम लेकर इकट्ठे हो रहे हैं। ये लीडर उन

लोगों को बहकाकर अपना जाति मुफाद उठाने की कोि ा ा कर रहे हैं। इस प्रकार का वातावरण इस प्रदे ा में उत्पन्न करने के लिए ये लोग जिम्मेवार हैं। अपने आपको यह हरियाणा का हितैशी कहते हैं। अपने आपको हरियाणा का नेता भी कहते हैं। वे यह नहीं सोचते कि जो कुछ हम कर रहे हैं, उसका नतीजा आखिर किसकों भुगतना पड़ेगा। स्पीकर साहब, हम यह बात सुनते आये हैं, बहुत देर से यह बात चली आ रही है कि इस्लाम खतरे में हैं। 1400 वर्श से यह चर्चा चली आ रही है। आज हम देखते हैं कि आज इस्लाम को खतरा आखिर किससे हुआ ? इस्लाम से ही हुआ। अरेबीयन कन्ट्रीज आपस में ही भिड़े हुए हैं। ऐसा ही बहुत सी जगहों पर हो रहा है। जिन लोगों ने इसे खिलाफ आवाज उठायी है, उनको ही इस बात का ि ाकार होना पड़ा है। यहां पर आप भी इस बात से इन्कार नहीं कर सकेंगे कि जो लोग आज आग लगाने की कोि ा ा कर रहे है, वह पता नहीं क्यों यह भूल जाते हैं कि वे भी एक दिन इसका ि ाकार होंगे। यह होता चला आ रहा है। धार्मिक स्थान जो हमारे पवित्र स्थान होते हैं, उनका इस तरह से गलत इस्तेमाल करना, एक बहुत ही दुख की बात है। आज वहां पर जाने से खु ी, सुख और भाान्ति नहीं मिलती। वहां कुछ और ही वातावरण लोग महसूस कर रहे हैं। यह बहुत ही निन्दा की बात है। धार्मिक स्थान वे होते हैं जहां पर आदमी मानसिक भाान्ति और मन का चैन प्राप्त करता हे। आज वहां पर बेचैनी की तालीम दी जाती है। वहां पर जाने से आज बेचैनी मिलती है। आज इस बात की जरूरत है कि हमें नेता अच्छे मिलें

और हमें गाइडैंस अच्छी मिले। हमारे धार्मिक स्थानों में इन्सानियत सिखाई जानी चाहिए। जो इन्सान इन्सानियत से हट जाता है, अपने मतलब के लिए, अपनी स्वार्थ सिद्धि के लिए अपने भाई तक को भी कुर्बान कर देता है, यह ठीक नहीं है। पता नहीं यह लोग किस हद तक चले जाते हैं। यह एक बड़ा ही गम्भीर मामला है। हमारी सरकार ने हर लिहाज से हर इन्सान का, हर किसान का, हर व्यापारी का, हर हरिजन का और हर बैकवर्ड क्लास का हित किया है। यह एक बड़ा ही गम्भीर मामला है। हमारी सरकार ने हर लिहाज से हर इन्सान का, हर किसान का, हर व्यापारी का, हर हरिजन का और हर बैकवर्ड क्लास का हित किया है। उनको हर किस्म का लाभ पहुंचाया है। ये सब बातें अगर देखी जायें तो यह पता चलेगा कि ऐसा जो जाति–पाति का वातावरण इन लोगों ने पैदा किया है, यह सब अपने मतलब के लिए किया है। स्पीकर साहब, आज इस बात की जरूरत थी और इनको मुतालबा करना चाहिए था कि फलां वर्ग के लिए फलां चीज सरकार की तरफ से रह रही है, वह करनी चाहिए लेकिन यहां पर बातें ही कुछ और हो रही हैं। इस विधान सभा सत्र में इम्पोर्टैन्ट इ ाूज, जिन पर यहां पर विचार हुआ है जैसे कि सतलुज यमुना लिंक नहर का काम केन्द्र सरकार अपने हाथ में ले, विरोधी पक्ष के भाई इस बात की बजाये कि उन पर विचार रखते, अपने धन्धों में लगे हुए हैं। वे हर किस्म का जहर फैलाने में लगे हुए हैं ताकि हरियाणा की तरक्की रोकी जाये। वे तो यह चाहते हैं कि सब मर जायें और हम ही रह जायें। इस किसम का वातावरण वे पैदा कर रहे हैं। ये

लोग कहते हैं कि हम हरियाणा का भविश्य हैं। हम हरियाणा के लिए बहुत कुछ करने का इरादा रखते हैं। जब हम आ जायेंगे तो हरियाणा की इस तरह की बेहतरी हो जायेगी, हरियाणा की दस्तकारी बेहतर हो जायेगी। इस किस्म की बातें सोचने वाले लोग इस बात की बजाये कि प्रदे ा की बेहतरी में कुछ हाि बंटायें, डिसट्रक ान या तोड़–फोड़ की बातें ही सोचते हैं। स्पीकर साहब, मैं भी अल्पसंख्यक जाति से हूं क्योंकि मैं राजपूत जाति से बिलौंग करता हूं। मेरी कांस्टिचुऐंसी दड़बा कलां में प्रैक्टिकली चौधरी देवी लालन जी हार गये। मेरी जाति के वहां पर 500 से ज्यादा वौट नहीं हैं। मेरा खुद का वोट भी वहां नहीं है। एक बात मेरे बारे में यह है जो कि सबको पता है कि उन लोगों की मुखालिफत के बावजूद मैं 1982 के इलैक ान में 31000 वोटों से जीत कर आया था जहां पर जाटों के वोट सबसे ज्यादा हैं। वे गलत बात करते हैं। इनकी अपने घर में तो चलती नहीं है दूसरी जगह पर जाकर नेता बनते हैं। यह समझते हैं कि इस कम्युनिटी के नेता भी वही बनेंगे और सारे कामों का फैसला भी वे आप ही करैंगे। वही इस दें ा का नाम भी ऊंचा करेंगे।

12.00 बजे।

स्पीकर साहब, आज कोई आदमी पंच भी नहीं बन सकता यदि वह जातिवाद का नारा देता है। लेकिन आज कुछ लोग जातिवाद का राग अलाप रहे हैं। ऐसे लोगों ने अपने लिए गढा खोद लिया है। उन्होंने दूसरी जातियों के लोगों को यह

अहसास करा दिया कि वे भी अपनी जाति के बारें में सोचें। इस तरह की भावना सारे प्रान्त के लिए नुक्सानदेह है और यह घृणा की बात है। यह हरियाणा की भलाई की बात नहीं है। स्पीकर साहब, हमारे पडौस में जो कुछ हो रहा है अपोजी ान के भाई उसकी कापी कर रहे हैं, उनकी पौलिसीज पर ये लोग चल रहे हैं। ये लोग इन्हीं लाइन्ज पर चलते हुए इस किस्म का वातावरण पैदा करना चाहते हैं जो हमारे पडौस में चल रहा है। इस बात की हर जगह निन्दा की जानी चाहिए। स्पीकर साहब, सरदार लछमन सिंह ने जो प्रस्ताव रखा है उसकी मैं ताईद करता हूं कि हमारे प्रान्त में जो लोग जातिवाद की घृणा फैला रहे हैं उनकी निन्दा की जाए और उनको गलत कहा जाए। मैं एक बार फिर सरदार लछमन सिंह ने जो रैजोल्यू ान रखा है उसका समर्थन करता हूं और सरकार को बधाई देता हूं कि उसने इस तरह की चीजों को हरियाणा प्रान्त में बढने नहीं दिया और इस किस्म की बुराई को उभरने नहीं दिया जिससे कि कोई परे ानी खडी हो। इन भाब्दों के साथ स्पीकर साहब, मैं आपको भाुक्रिया अदा करता हूं क्योंकि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

गृह मंत्री (चौधरी तैय्यब हुसैन): मोहतरिम स्पीकर साहब, सरदार लछमन सिंह ने जो रैजोल्यू ान रखा है मैं उसकी ताईद करने के लिए खडा हुआ हूं। स्पीकर साहब, जैसा कि आपको मालूम है कि मैं इस पर बतौर मैम्बर पहले बोल चुका हूं।

लेकिन फिर भी जो रैजोल्यू ान है उसके सिलसिले में मैं कुछ कहना चाहता हूं। रैजोल्यू ान यह है–

"यह सदन उन तत्वों की कठोर भाब्दों में निन्दा करता है जो जन साधारण को आपस में बांट कर, जात पात की भावना फैला कर राज्य के वातावरण को दूशित करते हैं।

यह आपसी भाई चारे को बनाए रखने तथा समाज के कमजोर वर्गों वि ोशकर राज्य में अल्पसंख्यकों के हितों की सुरक्षा के लिए राज्य सरकार द्वारा उठाए गए पगों की प्रबल सराहना तथा समर्थन करता है।"

स्पीकर साहब, सरदार लछमन सिंह ने जो यह रैजोल्यू ान रखा है उसके लिए वे मुबारिकबाद के मुस्तहक हैं कि वे वक्त की जरूरत के मुताबिक इस तरह का रैजोल्यू ान लाए। स्पीकर साहब, रैजोल्यू ान का जो पहला पार्ट है उसमें कहा गया है कि कुछ लोग या सियासी पार्टीज अपनी जातिगर्ज और अपने मुफाद के लिए न सिर्फ मजहब का नाम लेकर बल्कि लोगों में जातिवाद के विचारों को फैलाकर स्टेट के ऐटमोसफियर को खराब करने की कोि ा ा कर रहे हैं उनकी निन्दा की जाए।

स्पीकर साहब, इस बारे में इकबला ने कहा था–

मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना

हिन्दी हैं हम वतन हैं हिन्दुस्तां हमारा।

स्पीकर साहब, इस तरह की बातें करके कुछ लोग हमारे सूबे के साफ माहौल को खराब करने की कोि ा ा करने जा रहे हैं पर्टिकुलर कम्युनिटी और कास्ट की भावनाएं उभारने की बात की जा रही हैं। ऐसा करके किसी तरह भी सूबे की खिदमत नहीं की जा सकती खासकर ऐसे हालात में जब पडौस के सूबे में इस तरह के हालात चल रहे हों जिनसे दे ा डैमोक्रेसी को और दे ा की आजादी को खतरा हो। स्पीकर साहब, पडौस में जो वाक्यात हो रहे हैं उनका असर केवल हमारे ऊपर ही नहीं पडता, पडौस के सूबे पर ही नहीं पडता बल्कि उनका असर दिल्ली पर भी पडता है और दूसरे सूबों पर भी पडता है। अगर हमारे यहां जातिवाद की बातें की जाती हैं, उसी तरह की बातें की जाती हैं जो कि हमारे पडौस के प्रान्त में हो रही हैं तो मैं समझता हूं कि इसकी जितनी पुरजोर अलफाज में मजम्मत की जाए उतना ही ठीक है। अमन और तरक्की सूबे के लिए और दे ा के लिए बहुत जरूरी चीज है। सूबे में अमन रहेगा तो सूबे में तरक्की होगी और अगर सूबे में बदअमनी होगी तो कोई तरक्की सूबे में नहीं हो सकती। स्पीकर साहब, यह रैजोल्यू ान पिछले सै ान में सरदार लछमन सिंह ने रखा था और इस पर सर्व श्री रो ान लाल आर्य, अमीर चन्द मक्कड़, डा0 ओम प्रका ा, ई वर सिंह, श्रीमती करतार देवी, श्री सुरजेवाल ने अपने विचार रखे थे और आज श्री नेहरा, श्री इन्द्र सिंह नैन, श्री साहब सिंह सैनी, श्री रामदास धमीजा और ठाकुर बहादुर सिंह तथा दूसरे मैम्बर साहिबान ने अपने जजबात ऐक्सप्रैस किए हैं। हम उनके बहुत म ाकूर हैं कि

उन्होंने हमारे सही कदम को, जो हमने उठाया है, सराहा है। स्पीकर साहब, आपको मालूम है कि जिस तरीके के वाक्यात थे और जिस तरह की चीजें चल रही थीं उन हालात में चौधरी बंसी लाल ने आने के बाद जो सबसे पहली स्टेटमैंट दी वह यह थी कि हल अकलियत को हर तरह की प्रौटैक ान देंगे और दी भी। जो इन सिक्योरिटी की भावना लोगों में बढ गई थी और वे अपनी हिफाजत के लिए परे ान हो रहे थे उनमें एक एतमाद आया। यह हमारे लिए बडी खु ी की बात है। स्पीकर साहब, चौधरी बंसी लाल जो कहते हैं वह करते हैं। उनकी कथनी और करनी में कोई फर्क नहीं है। इन्होंने इस बात का पूरा ध्यान रखा और इस बात का इन्तजाम किया कि कहीं कोई घटना न हो जाए, कहीं कोई ऐसी बात न हों जाए जिससे सूबे का अमन खराब हो। स्पीकर साहब, पडौस के सूबे के हालात बडे अजीब ढंग सें, बडी नजाकत से मोड ले रहे हैं और जो कुछ वहां हो रहा है उससे हम बेखबर नहीं हैं, हम उनसे बाखबर रहते हैं। सबसे बडी अफसोस की बात तो यह है कि आज टैरीटोरियल डिसप्यूट को लेकर और पानी के डिसप्यूट को लेकर लोगों में जातिवाद भरने की कोि ा ा की जा रही है। स्पीकर साहब, चौधरी बंसी लाल ने जगह जगह पर साफ तौर पर यह कहा है कि रमैया कमी ान की रिपोर्ट के मुताबिक सत्तर हजार एकड जमीन जब हमें मिलेगी तो हम चण्डीगढ उस वक्त छोडैंगे जब हमार वर्ल्ड स्टैण्डर्ड की कैपिटल बन जाएगी जिसके लिए प्रधान मंत्री ने हमे ा ही कहा है कि हरियाणा की राजधानी वर्ल्ड स्टैण्डर्ड की होगी और इसी तरह

से इरैडी ट्रिब्यूनल की बात है। स्पीकर साहब, हमारी बदकिस्मती यह रही है कि पंजाब के जो हमारे भाई हैं वे कभी सही बात नहीं मानते। कुछ न कुछ कह कर उन्होंने कभी कोई बात नहीं मानी किसी बात पर वे रजामन्द नहीं हुए। चण्डीगढ़ का मामला भाह कमि ान को सौंपा गया और भाह कमि ान ने तहसील खरड़ का सारा इलाका और चण्डीगढ हरियाणा को दिया। पंजाब ने सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग जज की बात नहीं मानी। उसके बाद प्राईम मिनिस्टर ने अवार्ड दिया और जो सारे मुल्क का नेता था उसकी बात को भी नहीं माना। इसके बाद हरियाणा, पंजाब और राजस्थान के तीनों चीफ मिनिस्टर्ज ने एक ऐग्रीमैंट पर दस्तखत किए लेकिन उनको भी नहीं माना। उन्होंने दे ा की हाइएस्ट जुडि ियल अथौरिटी की बात नहीं मानी, दे ा के प्राईम मिनिस्टर की बात नहीं मानी और लोगों के चुने हुए नुमाइन्दे, जो तीन चीफ मिनिस्टर थे, उनकी बात नहीं मानी और उसके बाद जो माहौल पैदा हो गया उससे हम बेखबर नहीं हैं।

स्पीकर साहब, आज चौधरी देवी लाल जो कि इतने पुराने लैजिस्लेटर हैं इस तरह की बात करते हैं तो बडा अफसोस होता है। मैम्बर साहिबान ने काफी तफसील से सभी बातों पर रो ानी डाल दी है और सिरसा जिले के भाईयों ने जो उनको अच्छी तरह से जानते हैं काफी कुछ कह दिया है। मै। उन बातों को नहीं दोहराऊंगा। सब बातें साफ तौर पर बता दी गई हैं। श्री सुरजेवाला साहब भी काफी कुछ बता चुके हैं और सी0एम0 साहब

ने भी गवर्नर ऐड्रैस पर बोलते हुए सारी बातें साफ तौर पर हाउस में बता दी थी। स्पीकर साहब, चौधरी देवी लाल ने एम0एल0एज0 की एक टीम भेजी और उस टीम ने यह कहा कि एस0वाई0एल0 का काम तसल्लीबख्भा चल रहा है। यह कोई सूबे के हित की बात नहीं थी। यह सिर्फ जाति मुफाद के लिए कहा गया। मैं यह अर्ज करना चाहता हूं कि इस तरह की चीजें कहना इन हालात में बहुत ही गलत बात है और इससे सूबे को नुक्सान ही होता है। स्पीकर साहब, जहां तक चौधरी बंसी लाल की सरकार का ताल्लुक है। हम इसके लिए वचनबद्ध हैं कि हम हर कीमत पर और हर सूरत में यहां पर अमन बनाए रखेंगे। जो लोग इस तरह की बात करते हैं जिससे दे ा का और प्रान्त का अमन खराब हो और लोगों के अन्दर जातिवाद की भावना उभरे इससे किसी का भला होने वाला नहीं है। स्पीकर साहब, कांस्टिच्यु ान के प्रिएम्बल में सबसे पहले यह लिखा हुआ है –

"WE, THE PEOPLE OF INDIA, having solemnly resolved to constitute India into a Sovereign Socialist Secular Democratic Republic ....."

तीन चार बातें इसमें कहीं गयी हैं। इस तरह से कांस्टिच्यू ान के और मुख्तलिफ प्रोविजन भी हैं। स्पीकर सर, मैं हाउस का ज्यादा वक्त नहीं लूंगा क्योंकि बहुत सारे मैम्बर साहेबान अपनी घड़ियों की आरे देख रहे हैं और खाने के मूड में हैं। मैं आपके माध्यम से और इस हाउस के जरिये हरियाणा की भोलीभाली जनता से यह कहना चाहता हूं कि वे लोग इस तरह

के तत्वों से अपने आप को महफूज रखें। इसके अतिरिक्त चौधरी बंसी लाल जी की सरकार वचनबद्ध है। इसके साथ साथ हम अपनी सारी पब्लिक का, अवाम का और लैजिस्लेटर्ज का ताउन चाहते हैं ताकि हम सब मिल जुल कर हरियाणा के अन्दर ऐसे हालात प0र काबू पा सकें और यहां किसी किस्म की गडबड न होने पाए। स्पीकर साहब, मैं यह कहे बगैर भी नहीं रह सकता कि हमारी ऐनफोर्सिंग एजेन्सी और हमारे काबिल अफसरान ने भी बडे हौंसल और हिम्मत के साथ आज के हालात को बडे अच्छे ढंग से डील किया है औज जो चौधरी बंसी लाल जी ने आदे ा दिये हैं उनको लैटर एण्ड स्पिरिट में इम्पलीमैंट किया है। अब मैं दोबारा सारे हरियाणा के अवाम से, आप लोगों से इस बात की उम्मीद करूंगो कि आप लोग हरियाणा सरकार के हाथ मजबूत करेंगे। हम आपका ताउन चाहेंगे कि हरियाणा के अन्दर कम्युनल हारमनी रहे। यही सपना आज सारे दे ा का है। यही हमारे प्रधान मंत्री जी चाहते हैं कि सभी सूबों में अमन रहे। कांग्रेस पार्टी का भी यही नजरिया है और वह इस काम में लगी हुई है। यह मेरी हरियाणा की जनता औरा सबसे दरखास्त है कि उन तत्वों से सावधान रहें जो कि लोगों को गुमराह कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, इन भाब्दों के साथ मैं आपको धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हसूं।

श्री लछमन सिंह (कालका): स्पीकर साहब, मैं अपने मुख्यमंत्री महोदय व होम मिनिस्टर महोदय का बहुत ही म ाकूर हूं कि उन्होंने इस रैजोल्यू ान की नौइयत को समझा है और इस

वक्त की पुकार को समझा है। जो कम्युनिटी पंजाब में मैजोरिटी में है, वही कम्युनिटी हरियाणा के अन्दर माइन्योरिटी मेकं है। फासला तो केवल दो गज का है। जब से चौधरी बंसी लाल जी यहां आए हैं तब से माइन्योरिटीज का, वीकर सैक ानज का कांफिडैंन्स बढा है और लोगों का हौंसला बढा है। इस बात की जितनी भी सराहना की जाए थोडी है लेकिन मुझे इस बात का अफसोस है कि जो अपोजी ान के भाई संघर्श के रास्ते पर चले हैं, मेरा ख्याल था कि वे भायद एक ही संघर्श करेंगे कि जो मुख्तलिफ कम्युनिटी के लोग हरियाणा के अन्दर रहते हैं, उनका मेल जोल करवा कर उनके रिले ांज सीमिन्ट करेंगे, मजबूत करेंगे ताकि जो बाहर के सूबों के लोग हैं, वे भी इसको फालो करते लेकिन ऐसा नहीं किया गया। स्पीकर साहब, आप जानते हैं कि हमारा दे ा गुलाम रहा है और वह इसी जातपात के बुनियादी कारण की वजह से गुलाम रहा है, दूसरा कोई और कारण नहीं था। वरना आज आप देखते कि यह 75 करोड की आबादी का दे ा है, उसकी तरफ कोई आंख उठाकर भी न देख पाता। सबसे पहले मैं अपने चीफ मिनिस्टर साहब को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने हरियाणा का होम मिनिस्टर एक माइन्योरिटी कम्युनिटी से लिया है। इसके लिये हम चीफ मिनिस्टर साहब के म ाकूर हैं। इससे और कान्फिडैंस का वातावरण पब्लिक के अन्दर सरकार के प्रति हो जाएगा लेकिन इसके साथ साथ मैं हरियाणा सरकार से चीफ मिनिस्टर साहब से और होम मिनिस्टर साहब से यह कहूंगा कि दो तीन महीनों तक चुनाव आने वाले हैं, सरकार को उसके

लियें सतर्क रहना चाहिये। हो सकता है कि कुछ ऐसे तत्व अपना मनोरथ हासिल करने के लिए जात पात का सहारा लें। हो सकता है कि कोई गडबड भी करवाने और कम्युनल पै ांज का उभारने की कोि ाश करें। इस किस्म के ऐलीमैंटस से इस किस्म के तत्तवों से अभी से ही सरकार को सावधान रहना चाहिये और उन के ऊपर आंख रखनी चाहिये ताकि किसी वक्त भी अगर वे गडबड करें तो उनको दबोच लिया जाए और सूबे के अन्दर अमनो अमान रखा जाए। स्पीकर साहब, लोग वोट किसे देते हैं ? हमारा दे ा डेमोक्रेसी का दे ा है। लोकतन्त्र में रातों रात लोग राज बदल देते हैं लेकिन अमन से और ईमानदारी के साथ, जब्रदस्ती और धक्के से नहीं। कम्युनल पै ांज को अराईज न करके, आपसी दंगों फसाद से नहीं बल्कि अमनोअमान से यह बात होनी चाहिए। मैं उम्मीद करता हूं कि चौधरी बंसी लाल जी के वक्त में किसी भी प्रकार की गडबड नहीं होने पाएगी। वे जो कुछ कहते हैं, उसको करके भी दिखाते हैं। और वह होगा भी इसमें कोई दिक्कत की बात नहीं है। लेकिन फिर भी कम्युनल पै ांज पडौसी राज्य में बडबडी होने की वजह से आ ही जाते हैं और इसी कारण फिरकापरस्ती की आग भी कभी कभी भडक जाती है। इसमें माइन्योरिटीज का कसूर नहीं है, वे तो बेचारे बिना वजह जुल्म का ि ाकार हो जाते हैं। इसलिये मैं यकीन के साथ कह सकता हूं कि चीफ मिनिस्टर और होम मिनिस्टर साहब इस ओर ध्यान देंगे ताकि हरियाणा के अन्दर माइन्योरिटीज पर इस तरह का प्रसार न हो और न ही इस तरह की गडबडी वाला वातावरण पैदा होने

पाए। स्पीकर साहब, मैं यह समझता हूं कि मैंने जो यह रैजोल्यू ान रखा था, इसके पीछे जो भावना थी, वह अब बिल्कुल पूरी हो चुकी है। इसलिये मैं हाउस से दरखास्त करूंगा कि इसको युनैनीमसली पास किया जाए। इन भाब्दों के साथ आपका धन्यवाद जो आपने मुझे बोलने का समय दिया।

श्री अध्यक्षः प्र न है कि–

This House strongly condemns the elements which vititate the atmosphere of the State by dividing the general public by spreading the feeling of casteism.

It strongly appreciates and supports the steps taken by the State Government for maintaining communal amity (brotherhood) and safeguarding the interests of the weaker sections of the society, particularly the miniorities in the State.

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

श्री अध्यक्षः रैजौल्यू ान युनानिमसली मंजूर हुआ। अब हाउस कल प्रातः 9.30 बजे तक के लिये ऐडजर्न किया जाता है।

12.17 बजे।

(तत्प चात सदन भाुक्रवार, दिनांक 6–3–1987 को प्रातः 9.30 बजे तक के लिये स्थगित हुआ।)